

9/11 बाल-बाल बचें!

खौफ के वो 30 सेकेंड...

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 में सवार 174 यात्रियों के लिए उड़ान के दौरान कुछ सेकेंड बेहद डरावने रहे। भारतीय कैप्टन स्मित मछार ने इस संकट के बीच विमान को संभालने में अहम भूमिका निभाई। 30 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर करीब 30 सेकेंड तक विमान के साथ क्या हुआ, अब उड़ान ट्रेकिंग मंच फ्लाइटरेडार24 से मिले नए और विस्तृत आंकड़ों से इसकी तस्वीर सामने आई है। फ्लाइटरेडार24 के अनुसार, विमान ने इस दौरान तेजी से नीचे आने, फिर तेजी से ऊपर जाने और दोबारा नीचे आने का घटनाक्रम दिखाया।

एक टीवी चैनल की टीम ने इन आंकड़ों का विश्लेषण किया और 3डी दृश्यांकन के जरिए उस घटनाक्रम को क्रमवार प्रस्तुत किया है। इसमें कुछ ही सेकेंड के भीतर विमान की ऊंचाई, रफ्तार और दिशा में हुए बड़े बदलाव दिखाई देते हैं। 30 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर शुरू हुआ घटनाक्रम भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:51:48 बजे विमान एफजेड107 करीब 387 नॉट्स, यानी लगभग 717 किलोमीटर प्रति घंटे की भू-गति से उड़ रहा था। इसके करीब 50 सेकेंड बाद, 10:52:38 बजे विमान की भू-गति बढ़कर 598 नॉट्स, यानी लगभग 1,108 किलोमीटर प्रति घंटे हो गई। यानी इसकी भू-गति में करीब 391 किलोमीटर प्रति घंटे का इजाफा हुआ। इसी दौरान विमान ने अचानक अपनी दिशा बदल दी।



उसने करीब 135 डिग्री का मोड़ लिया और पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर जाने लगा। 18 सेकेंड तक गायब रहा ट्रेकिंग डेटा इस पूरे घटनाक्रम के बीच करीब 18 सेकेंड तक विमान की ट्रेकिंग का डेटा नहीं मिला। जब संकेत वापस आया तो विमान तेजी से नीचे आ रहा था। 10:52:07 बजे विमान करीब 30,875 फीट की ऊंचाई पर था। सिर्फ 29 सेकेंड बाद, 10:52:36 बजे यह करीब 16,750 फीट की ऊंचाई पर पहुंच गया। यानी सिर्फ 29 सेकेंड में विमान करीब 14,125 फीट, यानी लगभग 4.3 किलोमीटर नीचे आ गया। अन्य रिपोर्टों में भी फ्लाइटरेडार24 के आंकड़ों के आधार पर लगभग 14 हजार फीट की तेज गिरावट का उल्लेख किया गया है।

हर सेकेंड करीब 487 फीट नीचे आया विमान विमान के नीचे आने की औसत रफ्तार करीब 487 फीट प्रति सेकेंड रही। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि विमान के नीचे आने की गति लगभग 535 किलोमीटर प्रति घंटे थी। आधे मिनट से भी कम समय में विमान करीब 4.3 किलोमीटर नीचे आ गया। इस गिरावट को समझाने के लिए आजतक की टीम ने 3डी दृश्य में ऊंची इमारतों और पहाड़ों से इसकी तुलना की है। इसी औसत रफ्तार से यदि विमान नीचे आता तो बुर्ज खलीफा जितनी

ऊंचाई की दूरी करीब 5.6 सेकेंड में तय हो जाती। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की 182 मीटर ऊंचाई करीब 1.2 सेकेंड में पार हो जाती। वहीं माउंट एवरेस्ट की 8,848 मीटर ऊंचाई के बराबर दूरी तय करने में करीब 59.5 सेकेंड लगते। यानी सिर्फ 29 सेकेंड में एफजेड1073 जितना नीचे आया, वह पांच से अधिक बुर्ज खलीफा की ऊंचाई के बराबर है। 32,600 फीट प्रति मिनट तक पहुंची नीचे आने की रफ्तार करीब 10 सेकेंड तक विमान के नीचे आने की रफ्तार लगभग 32,600 फीट प्रति मिनट दर्ज हुई। यह उड़ान ट्रेकिंग प्रणाली में दिखाई देने वाली सबसे अधिक रफ्तार थी। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि विमान वास्तविक रूप से इससे भी तेज नीचे आया हो।

►8पर

ओमानी पायलट चाहता है इजराइल

इजरायल जा रहे फ्लाईदुबई के विमान को कथित रूप से दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार ओमानी सह-पायलट को लेकर इजरायल ने सख्त रुख अपनाया है। इजरायल इस मामले की तह तक जाने के लिए संदिग्ध ओमानी सह-पायलट को अपनी हिरासत में लेकर पृच्छाछा करना चाहता है और उसके प्रत्यर्पण की मांग करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इस मामले में कूटनीतिक और कानूनी पेच भी सामने आ रहे हैं। संदिग्ध फिलहाल सऊदी अरब में हिरासत में है, जहां विमान की आपात लैंडिंग के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। सऊदी अरब और ओमान, दोनों के इजरायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने कहा है कि वह ओमान के उस सह-पायलट के प्रत्यर्पण की मांग करेंगे, जिस पर तेल अवीव जा रहे फ्लाईदुबई विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश का आरोप है। यह कदम उस गंभीर घटना के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें भारतीय कप्तान स्मित मछार पर कथित रूप से हमला किया गया था।

काँकपिट में विवाद के बाद तबुक में हुई आपात लैंडिंग

संदिग्ध ओमानी सह-पायलट फिलहाल सऊदी अरब में हिरासत में है। फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। उड़ान के दौरान काँकपिट में दोनों पायलटों के बीच संघर्ष हुआ। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, सह-पायलट ने भारतीय कप्तान स्मित मछार पर चाकू से हमला किया और इसके बाद विमान तेजी से नीचे



जाने लगा। विमान को बाद में सऊदी अरब के तबुक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। विमान में 174 लोग सवार थे।

बेन-गवीर ने प्रत्यर्पण के लिए सभी उपलब्ध विकल्प अपनाने की बात कही

सुरक्षा मंत्रिमंडल के सदस्य बेन-गवीर ने कहा कि वह सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक में न्याय मंत्रालय और राजनयिक अधिकारियों से संदिग्ध को इजरायल लाने के लिए उपलब्ध सभी कानूनी एवं राजनयिक विकल्पों का इस्तेमाल करने को कहेंगे, ताकि उससे पृच्छाछा की जा सके और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।

हालांकि, सऊदी अरब और ओमान के इजरायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं होने के कारण सीधे प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जटिल हो सकती है। रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अरब की प्रारंभिक जांच के बाद संदिग्ध को संयुक्त अरब अमीरात की हिरासत में दिए जाने की संभावना भी सामने आई है। संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल के बीच राजनयिक संबंध हैं, ►8पर

मोदी शरणम् रेवंत मांगेंगे सूखा सहायता, दगा दे गई बारिश



ओमप्रकाश सिरवी हैदराबाद, 1 अक्टूबर।

तेलंगाना सरकार ने 1 अक्टूबर को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित डीए-डीआर, राज्य में बारिश की कमी, धान खरीद, बिजली की बढ़ती मांग, सिंचाई परियोजनाओं और डिजिटल मीडिया नीति सहित कई मुद्दों पर चर्चा के बाद निर्णय लिए गए।

कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों के दो लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनरों के महंगाई राहत (डीआर) जारी करने को मंजूरी दी है। बकाया राशि का भुगतान किस्तों में किया जाएगा। इस फैसले से सरकार पर हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये का वित्तीय भार पड़ने का अनुमान है।

कैबिनेट बैठक में राज्य में बारिश की कमी और अल नीनो की स्थिति पर चर्चा हुई। राज्य में सामान्य से 17 प्रतिशत कम बारिश दर्ज होने तथा करीब 235 मंडलों में सूखे जैसे हालात की जानकारी दी गई। सरकार इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाएगी और केंद्र सरकार से आवश्यक सहायता मांगने का निर्णय लिया गया है। खरीफ सीजन में किसानों से धान खरीद के लिए जल्द ही खरीद केंद्र शुरू किए जाएंगे। नागरिक आपूर्ति विभाग के अनुसार इस सीजन में करीब 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का अनुमान है। किसानों से खरीद की व्यवस्था समय पर शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

राज्य में बिजली की अधिकतम मांग 19,892 मेगावाट तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष यह मांग 16,613 मेगावाट थी। बढ़ती बिजली की जरूरत को देखते हुए कैबिनेट ने करीब 7,800 मेगावाट नई अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने की योजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण और पवन ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। ►8पर

तरकश में नये तीर यूपी बीजेपी मोर्चा टीमों का ऐलान



लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठनात्मक स्तर पर पांच मोर्चों की नई टीमों का ऐलान किया है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, किसान मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और महिला मोर्चा की नई टीमों की घोषणा की गई है।

इनमें प्रदेश पदाधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय स्तर पर भी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मंजूरी के बाद इन नियुक्तियों की घोषणा की गई। अनुसूचित जाति मोर्चा की नई टीम में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और मोहनलालगंज के पूर्व सांसद कौशल किशोर के बेटे विकास किशोर को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, अनस साजिद उस्मानी को भाजपा उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बड़ी टीम घोषित

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मंजूरी के बाद पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने प्रदेश पदाधिकारियों और क्षेत्रीय अध्यक्षों की सूची जारी की। नई टीम में 12 प्रदेश उपाध्यक्ष, 4 प्रदेश महामंत्री और 12 प्रदेश मंत्री बनाए गए हैं।

प्रदेश उपाध्यक्षों में रामचंद्र प्रधान, महेंद्र सिंह सेनी, अशोक पाल, सविंदर भाटी, हेमंत परिहार, डॉ. सुरेंद्र सिंह भागौर, अर्जुन राजभर, राम नरेश वर्मा, नीरज गुप्ता, मनोज कश्यप, अरविंद मोर्य और सुशील कटियार शामिल हैं। प्रदेश महामंत्रियों में प्रणीत भाटी, ज्योति सोनी, शिवनाथ चौधरी और ऋषि चौरसिया को जिम्मेदारी दी गई है।

छह क्षेत्रों में क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने संगठन के छह क्षेत्रों के लिए भी क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। गोरखपुर में रवि प्रकाश चौहान उर्फ मोहन चौहान, काशी में इंद्र भूषण मोर्य, अवध में नीरज कटियार, कानपुर में मनोज राजपूत, ►8पर

ममता हटाओ इंडिया ब्लॉक से बागी गुट की माँग



कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में तुणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक खींचतान के बीच ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक तुणमूल कांग्रेस ने विपक्षी खट्टखअ गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई है। हालांकि, पार्टी ने इसके लिए एक शर्त भी रखी है। पार्टी के मुख्य सचिव मोहम्मद अखरुजमान ने कहा है कि गठबंधन में शामिल होने के लिए ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन से बाहर करना होगा। यह बयान 1 अक्टूबर को सामने आया।

ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए

अखरुजमान ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी से सीधे अपील करते हुए ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी का गुट भाजपा की 'बी-टीएम' की तरह काम करता है। उनका दावा है कि संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों और संकट के समय ममता बनर्जी का गुट कई बार सदन से बाहर चला गया या अनुपस्थित रहा, जिससे सरकार को लाभ मिला। ये आरोप अखरुजमान के हैं और इन पर ममता बनर्जी या उनके गुट की प्रतिक्रिया इस रिपोर्ट में शामिल नहीं है।

2024 के लोकसभा चुनाव का भी किया जिक्र

अखरुजमान ने 2024 के लोकसभा चुनाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने विपक्षी गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचाया और राहुल गांधी को पश्चिम बंगाल में प्रचार करने से रोका। उन्होंने कहा कि जब भी भाजपा के खिलाफ लड़ाई तेज होती है, ममता बनर्जी गठबंधन से अलग हो जाती हैं।

अखरुजमान ने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन का उद्देश्य भाजपा के खिलाफ मजबूती से लड़ना है तो ममता बनर्जी को गठबंधन से बाहर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि गठबंधन नेतृत्व ममता बनर्जी को बाहर करता है तो डेमोक्रेटिक तुणमूल कांग्रेस गठबंधन में शामिल होने और उसे मजबूत करने के लिए तैयार है। ►8पर

कार्टून कॉर्नर

#No UPI Day

बहुत दिनों बाद खुली हवा में सांस ली है..वरना ATM में पड़े-पड़े दम घुटने लगा था

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°

न्यूनतम : 21°

ओवैसी दरवाजे खुले योगी की हैट्रिक रोकने रणनीति

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएम आईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर गठबंधन के संकेत दिए हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में आने से रोकना चाहती है। इसके लिए वह अन्य राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार है। हालांकि, गठबंधन किस राजनीतिक दल के साथ होगा, इस पर उन्होंने अभी किसी दल का नाम नहीं बताया है। छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ओवैसी ने बिहार में अपनी पार्टी के साथ हुए घटनाक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा



कि बिहार में जब एआईएमआईएम के चार विधायक पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए थे, तब उनकी पार्टी ने गठबंधन के तहत केवल छह सीटें मांगी थीं। इसके बावजूद किसी ने उनकी पार्टी के पक्ष में आवाज नहीं उठाई। ओवैसी ने कहा कि इसके बाद उनकी पार्टी ने दोबारा चुनाव लड़ा और जनता के समर्थन से पांच सीटों पर जीत हासिल की। उन्होंने इस अनुभव का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश में संभावित गठबंधन को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, ओवैसी ने इससे पहले भी बिहार में छह सीटों की मांग किए जाने की बात कही थी। ►8पर

दिग्गज निवेश सलाहकार की भविष्यवाणी मुसीबत आने वाली है!

चेन्नई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चेन्नई के निवेश सलाहकार मुथुकृष्णन दंडपाणि की 29 सितंबर की शाम 7 बजे सामाजिक माध्यम एक्स पर की गई एक पोस्ट चर्चा में है। अपनी पोस्ट में उन्होंने भविष्य में संभावित आर्थिक संकट की आशंका का उल्लेख करते हुए लोगों को वित्तीय रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। उन्होंने विशेष रूप से सुरक्षित रिजर्व या आपातकालीन निधि बनाने, नया कर्ज लेने से बचने और लंबी अवधि की नई वित्तीय जिम्मेदारियां लेने में सावधानी बरतने की बात कही है। दंडपाणि ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं कोई भविष्य बताने वाला नॉस्ट्रैडैमस नहीं



हूं। मैं सिर्फ पिछले दो सालों से उन संभावनाओं के बारे में आगाह करता आ रहा हूं, जो मुझे दिखाई दे रही थीं। मैं इसे एक बार फिर दोहराता हूं। पूरी कोशिश करके एक सुरक्षित रिजर्व या आपातकालीन निधि बनाएं, जो आपके परिवार के तीन साल के पूरे खर्चों को कवर कर सके। उन्होंने आगे कहा, कर्ज न लें। कोई नया लोन तो

बिल्कुल न लें। रियल एस्टेट या घर खरीदने जैसी लंबी अवधि की जिम्मेदारियों में खुद को न बांधें। दंडपाणि ने लोगों को नौकरी और भूमिका को लेकर अत्यधिक चिंता करने के बजाय आय को सुरक्षित करने पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने लिखा, नौकरी और रोल को लेकर बहुत ज्यादा न सोचें। अभी समय है इनकम पक्की करने पर ध्यान देने का। उन्होंने यह भी कहा, ऐसा नहीं है कि आसमान टूट पड़ने वाला है। दुनिया ने पहले भी ऐसे संकटों का सामना किया है। भविष्य में भी करेगी। ►8पर



न्यूज़ ब्रीफ

जिम्बाब्वे में हेलिकाप्टर हदसा, राष्ट्रपति के करीबी उद्योगपति विकनेल चिवायो समेत छह की मौत



हरारे (जिम्बाब्वे)। जिम्बाब्वे के मरोनडेरा में बुधवार को हेलिकाप्टर क्रैश हो गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। हेलिकाप्टर में चार यात्री और दो क्रू मेंबर सवार थे। हदसे में सभी छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 43 वर्षीय उद्योगपति विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी लुसी मुतेके भी शामिल हैं। चिवायो को राष्ट्रपति एमर्सन मनांगवा का करीबी माना जाता था। जिम्बाब्वे के अखबार न्यूज डे की रिपोर्ट के अनुसार, यह हदसा राजधानी हरारे से करीब 70 किलोमीटर पूर्व मरोनडेरा में गिरा। पुलिस को हदसे की जानकारी बुधवार शाम करीब पां बजे मिली। हदसा किस वजह से हुआ, यह अभी साफ नहीं है। विकनेल चिवायो इंड्राटेक जिम्बाब्वे के संस्थापक थे। यह कंपनी एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम करती थी। चिवायो ग्लांड सोलर प्रोजेक्ट जैसे सरकारी ठेकों को लेकर भी चर्चा में रहे। वे अपनी शानदार जीवनशैली और सोशल मीडिया पोस्ट के लिए भी जाने जाते रहे हैं। चिवायो महंगी कारों और लगजरी हेलीकाप्टरों के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करते रहे हैं। चिवायो दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो, तंजानिया की राष्ट्रपति साफिया सुलुहु हसन और इस्लामिनी के किंग मस्वीती तृतीय समेत कई बड़े नेताओं के करीबी रहे हैं। चिवायो पर जिम्बाब्वे और आसपास के देशों में सरकारी ठेकों और चुनावी फंडिंग से जुड़े आरोप लगे थे। उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया था।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर हवाई हमला, 22 आतंकीयों की मौत



इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हवाई हमला करके 22 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। तालिबान सरकार ने कहा कि पाकिस्तान के हवाई हमले में नौ आम नागरिकों की मौत हो गई। द न्यूज और द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने बताया कि यह हमले आपरेशन गजब-ल-हक का हिस्सा है। वायु सेना के विमानों ने आतंकवादी शिबिरों को नशियान बनाया गया। इस हमले में शिबिरों में एकत्र रहियारा और गोला-बारूद भी नष्ट हो गया। मंत्रालय ने चिंता व्यक्त की कि अफगानिस्तान आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा, रक्षा सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बलोचिस्तान के कच्छी जिले में छह आतंकवादियों को मार गिराया। सूत्रों के अनुसार, इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस दौरान आतंकवादियों के कई ठिकानों व सुरंगों को नष्ट कर दिया गया। तालिबान सरकार का कहना है कि गुरुवार को अफगानिस्तान में पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में तीन स्थानों को लक्ष्य किया गया। इस दौरान नौ लोगों की मौत हो गई। अफगान तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि कुनार और हेलमंद प्रांतों में हुए हमलों में मारे गए लोगों में औरतें और बच्चे भी शामिल हैं और 11 और लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली महिला पर दो बार जानलेवा इंजेक्शन का असर नहीं हुआ: रिपोर्ट

मास्को। अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली क्रिस्टा गेल पाइक पर दो बार जानलेवा इंजेक्शन का असर नहीं हुआ और उन्हें मारने की कोशिश नाकाम रही। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को पेटोबाविल्ट की दो डोज दी गई लेकिन आखिरी डोज दिए जाने के 40 मिनट बाद भी वह जिंदा थी। फाक्स न्यूज ने पाइक के वकील के हवाले से बताया कि, गवाहों को उस जगह से हटा दिया गया जहाँ सजा दी जानी थी, जिसके बाद टेनेसी के लॉग अस्मीड करतें हैं कि यह काम ऐसे तरीके से किया जाए जो न सिर्फ कानूनी और संवैधानिक हो बल्कि असरदार भी हो। गैर-लाभकारी संस्था डेथ पेनल्टी इंकॉर्पोरेशन सेंटर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राबिन माहेर ने इस घटना को अनोखी और बेमिसाल बताया।

बातचीत फेल होते ही अमेरिका ने ईरानी डेलिगेशन को भगाया

वाशिंगटन

डिप्लोमेसी को दुनिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक नए स्तर पर पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में आए ईरानी प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका ने तत्काल देश छोड़ने का आदेश दिया। यह घटनाक्रम कतर की मध्यस्थता में चल रही दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण बातचीत के बेनतीजा रहने के ठीक बाद हुआ। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के निर्देश पर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची समेत पूरे प्रतिनिधिमंडल को न्यूयार्क से तुरंत निकलने को कहा गया। यानी, जो प्रतिनिधिमंडल बातचीत और कूटनीति के लिए अमेरिका आया था, उसे मेजबान देश ने बातचीत ठप पड़ते ही

वापस जाने का रास्ता दिखा दिया। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने सोमवार को ईरानी प्रतिनिधिमंडल को तुरंत अमेरिका छोड़ने का आदेश दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, कतर की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच गहन बातचीत चल रही थी, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों से पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। नतीजतन, बातचीत गतिरोध में पहुंच गई। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपनी मेजबानी के तय समय से ज्यादा वक्त तक अमेरिका में रुका था और अब उनके जाने का वक्त आ गया था। हालांकि, एक अन्य सूत्र ने कहा

कि अब्बास अराघची वैसे भी सोमवार रात तेहरान लौटने वाले थे। व्हाइट हाउस को सोमवार सुबह तक उम्मीद थी कि ईरान के साथ बातचीत में कुछ प्रगति हो सकती है, लेकिन शाम होते-होते यह साफ हो गया कि दोनों पक्ष किसी समझौते पर पहुंचने से दूर हैं। इसके बाद, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने ईरानी मिशन को संदेश दिया कि अराघची समेत पूरे प्रतिनिधिमंडल को तुरंत न्यूयार्क छोड़ना होगा। आदेश मिलने के कुछ ही घंटों बाद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल एयरपोर्ट पहुंचा। अराघची और उनके साथ मौजूद अधिकारी मंगलवार तड़के 1:20 बजे न्यूयार्क से दोहा जाने वाली उड़ान में सवार हुए। वहां से वे ईरान लौटने वाले थे। यह

घटनाक्रम ऐसे संवेदनशील वक़्त पर हुआ है जब कतर अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की कोशिश कर रहा है। कतर के मध्यस्थ दोनों पक्षों के सामने एक समझौता प्रस्ताव रखने और उस पर बातचीत आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल न तो अमेरिका और न ही ईरान अपने रुख से पीछे हटता दिखाई दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अलग-अलग देशों के प्रतिनिधि न्यूयार्क में मौजूद रहते हैं और ऐसे मौकों पर पर्दे के पीछे बातचीत के रास्ते खुले रहते हैं, लेकिन अमेरिका और ईरान के मामले में माहौल इतना बिगड़ चुका है कि बातचीत रुकने ही कूटनीतिक तलखी भी खुलकर सामने आ गई।

स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गाने पर ईरानी सिंगर को मारे जाएंगे 74 कोड़े

कोर्ट के फैसले से कई मानवाधिकार समूह नाराज, इसे यातना का एक रूप बताया

तेहरान

ईरान की मशहूर गायक परस्तू अहमदी ने दिसंबर 2024 में अपने यूट्यूब चैनल पर एक कांस्ट्रेट किया था। इस कांस्ट्रेट में उन्होंने स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गाया था। जिसके बाद उन्हें 74 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई थी। इस फरमान को ईरान की एक कोर्ट ने बरकरार रखा है। ईरानी अदालत के इस फैसले से मानवाधिकार समूहों में नाराजगी है। उन्होंने इसे यातना का एक रूप बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जून में अहमदी और उनकी प्रोडक्शन टीम के आठ सदस्यों को कोम शहर की एक कोर्ट ने सजा सुनाई थी। कोर्ट ने कहा था कि ग्रुप ने देश के कानूनी और सांस्कृतिक नियमों का उल्लंघन किया है और इस परफॉर्मेंस को अश्लील और भ्रष्ट बताया। ईरान के हिजाब और शालीनता कानून के तहत जिसे 2024 में पास किया गया था लेकिन अभी तक आधिकारिक तौर पर लागू नहीं किया गया है, जो महिलाएं अश्लीलता, बिना हिजाब के रहने या गलत तरीके से कपड़े पहनने को बढ़ावा देती पाई जाती हैं, उन्हें कड़ई सजा का सामना करना पड़ सकता है। इनमें जुर्माना, कोड़े मारना और बार-बार ऐसा करने वालों के लिए 5 से 15 साल तक की जेल की सजा है। वकीलों का कहना है कि पिछले हफ्ते सुनाया गया यह फैसला हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि ईरानी न्यायपालिका के प्रमुख ने हाल ही में कहा था कि सरकार को हिजाब न पहनने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से होने वाले हंगामे से डरना नहीं चाहिए। उम्मीद है कि अहमदी और उनकी प्रोडक्शन टीम को अगले तीन महीनों के अंदर कोड़े मारने की सजा दी जाएगी। मानवाधिकारों ने कहा कि इस कांस्ट्रेट को नियमों को चुनौती देने वाले काम के तौर पर देखा जा रहा है, न सिर्फ इसलिए कि एक महिला बिना हिजाब के गा रही है, बल्कि इसलिए भी कि वह क्रांति से पहले के पुराने लोकप्रिय गाने गा रही है। ईरान के बाहर रहने वाले ईरानी एक्टिविस्ट्स के लिए कानूनी सलाह देने वाले सेंटर डैडबान के मानवाधिकार वकील ने कहा कि यह फैसला इंसानियत के खिलाफ है।



पलाईदुबई विमान घटना की यूएई में जांच, पायलट के कनेक्शन और तैनाती पर उठ सवाल

दुबई। पलाईदुबई की उड़ान में कथित तौर पर हुई काकपिट पर कब्जे की कोशिश के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मामले की जांच शुरू की है। जांच में आरोपी ओमानी पायलट के संभावित आतंकी संबंधों के साथ-साथ घटना के पीछे की मंशा का पता लगाया जाएगा। जांच अधिकारियों के सामने यह सवाल भी है कि ओमान का नागरिक होने के बावजूद वह तेल अवीव जाने वाली उड़ान में पायलट के रूप में कैसे तैनात था। रिपोर्ट के मुताबिक, संबंधित उड़ान यूएई से इजरायल के लिए संचालित हो रही थी। इसके बाद पायलट की राष्ट्रीयता को लेकर सवाल उठे हैं। यूएई और इजरायल ने 2020 में अब्राहम समझौते के तहत राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। इसी संदर्भ में उड़ानों पर तैनात चालक दल के सदस्यों की पात्रता को लेकर भी जांच की जा रही है। बताया गया है कि आरोपी पायलट ने करीब आठ महीने पहले पलाईदुबई में नौकरी शुरू की थी। इजरायली प्रधानमंत्री बेजाकिन नेतन्याहू ने घटना को गंभीर बताकर इसकी तुलना 9/11 जैसे विमान हमले की आशंका से की। उनके अनुसार, पायलट ने विमान को आत्मघाती हथियार में बदलने की कोशिश की हो सकती है। नेतन्याहू ने भारतीय केप्टन की भूमिका की सराहना कर कहा कि उन्होंने स्थिति को संभालने के लिए साहस दिखाया और काकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने आरोपी को काबू करने में मदद की। नेतन्याहू ने सवाल उठाया कि सुरक्षा जांच से गुजरने के बावजूद आरोपी पायलट विमान के भीतर धारदार वस्तु कैसे ले जा सका। उन्होंने बताया कि आरोपी से सऊदी अरब में पूछताछ की जा रही है और आरोपी को यूएई भेजने की संभावना है, जहां आगे की जांच हो सकती है।



पाकिस्तान के लाहौर में 10 दिवसीय बसंत उत्सव 29 जनवरी से

लाहौर (पंजाब) पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने 10 दिवसीय बसंत उत्सव को मंजूरी प्रदान की है। यह उत्सव अगले साल 29 जनवरी से 7 फरवरी के मध्य राजधानी लाहौर में मनाया जाएगा।

मरियम ने एक बयान में कहा कि बसंत उत्सव से पंजाब की ऐतिहासिक सांस्कृतिक परंपरा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उत्सव के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के लिए कड़े उपाय सुनिश्चित करें।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब की सूचनामंत्री अजमा बुखारी ने बुधवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 10 दिवसीय बसंत उत्सव की जानकारी साझा की। पंजाब की मंत्री ने कहा कि करमौर दिवस के कारण 5 फरवरी को बसंत उत्सव एक दिन के लिए रोका जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री मरियम ने 18 साल के अंतराल के बाद लाहौर में 12 से 14 मार्च, 2027 तक तीन दिन के बसंत उत्सव की घोषणा की थी।

उन्होंने एक एक्स पोस्ट में कहा था कि लाहौर एक बार फिर रंग, संस्कृति, उत्सव, संगीत, ऊर्जा



और शानदार मेहमाननवाजी से जीवंत हो उठेगा। पंजाब सरकार के पतंग उड़ाने पर लगी रोक हटाने के बाद लाहौर ने पिछली फरवरी में दो दशकों से अधिक समय बाद अपना पहला बसंत उत्सव मनाया था।

सख्त नियमों के तहत आयोजित तीन दिवसीय उत्सव ने प्रांत की राजधानी में त्योहार का माहौल

बना दिया था। सड़कों और गलियों में सजावट की गई थी। इस अवसर पर सरकार ने मुफ्त परिवहन सेवा की भी घोषणा की थी। वरिष्ठ प्रांतीय मंत्री मरियम औरंगजेब ने बसंत के सफल आयोजन को लाहौर और पाकिस्तान की जीत बताते हुए कहा था कि अगले साल और भी शानदार बसंत देखने को मिलेगा।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित 620 मेगावाट की 19 बिजली परियोजनाएं तत्काल शुरू नहीं होंगी

काठमांडू

नेपाल में हाल में आई दो बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित 620 मेगावाट क्षमता की 19 बिजली परियोजनाएं तत्काल संचालन में नहीं आ पाएंगी। भोटेकोशी में आई बाढ़ और पिछले हफ्ते भर हुई भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से कुल 1,292 मेगावाट बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ था। इनमें 620 मेगावाट क्षमता की 19 परियोजनाओं को तत्काल फिर से शुरू करना संभव नहीं दिख रहा है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के अनुसार 26 अगस्त को आई बाढ़ से प्रभावित 430.8 मेगावाट क्षमता की 12 परियोजनाएं भी तत्काल संचालन में नहीं आ पाएंगी। इनमें 111 मेगावाट की रसुवागढ़ी, 78 मेगावाट की सान्जेन, 60 मेगावाट की अपर त्रिशुली-3ए, 42.5 मेगावाट की लोअर सान्जेन, 24 मेगावाट की त्रिशुली और 25 मेगावाट की एनईए सोलर परियोजना शामिल हैं। इसी तरह 22.1 मेगावाट की चिलिमे, 20 मेगावाट की



लांगटांग, 14.8 मेगावाट की अपर सान्जेन, 14.3 मेगावाट की अपर मैलुंग, 14.1 मेगावाट की

देवीघाट और 5 मेगावाट की मैलुंग खोला जलविद्युत परियोजना भी प्रभावित हुई हैं।

इनमें अधिकांश परियोजनाएं बाढ़ से प्रभावित हुई हैं। बाढ़ के कारण इनके पावरहाउस, बांध और अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंचा है। विद्युत प्राधिकरण के अनुसार, इन सभी परियोजनाओं का पुनर्निर्माण करना पड़ेगा।

इसी तरह 16-20 सितंबर तक लगातार हुई बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन से 220 केवी कालीगंडकी कारिडोर के कुश्मा-दाना खंड को नुकसान पहुंचा है। इसके कारण 190 मेगावाट क्षमता की सात परियोजनाओं का बिजली उत्पादन रुक गया है। बाढ़ से इस ट्रांसमिशन लाइन के तीन टावर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके चलते कुश्मा से ऊपर के क्षेत्र में स्थित बिजली परियोजनाओं को बिजली राष्ट्रीय प्रसारण लाइन में नहीं जोड़ी जा पा रही है।

इन परियोजनाओं में नीलगिरि-1 (38 मेगावाट), नीलगिरि-2 (71 मेगावाट), मिस्त्री (42 मेगावाट), थापाखोला (13.6 मेगावाट), घारखोला (14.8 मेगावाट), रेलखोला (6 मेगावाट) और घलेम्दी (5 मेगावाट) शामिल हैं।

प्रसारण संरचना की मरम्मत के बाद इन परियोजनाओं से बिजली आपूर्ति फिर शुरू होने में कुछ समय लगने का अनुमान है। कुछ अन्य परियोजनाओं में संभावित नुकसान को रोकने के लिए उत्पादन अस्थायी रूप से बंद किया गया था। बाढ़ के दौरान बंद की गई 144 मेगावाट क्षमता वाली कालीगंडकी और मर्स्यांदी कारिडोर की परियोजनाओं समेत अन्य संयंत्रों में उत्पादन फिर शुरू हो चुका है।

40 मेगावाट की राहुघाट जलविद्युत परियोजना को हालांकि दोबारा संचालन में आने में अभी कुछ दिन और लग सकते हैं। करीब एक सप्ताह पहले ही परीक्षण उत्पादन शुरू करने वाली राहुघाट परियोजना के टेलरेस गेट और डकट में क्षति हुई है, जबकि टर्बाइन फ्लोर में पानी भर गया है। पानी निकालकर सफाई करने और परियोजना को फिर से शुरू करने में करीब 10 दिन लगने का अनुमान है। परियोजना का निवचनार्थ सामान्य स्थिति में है और उसे चार्ज कर दिया गया है।



रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए हैं। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।

उत्पत्ति की कथा

वस्तुतः रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते हैं। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते हैं। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रातःकाल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है। मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते हैं। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते हैं। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली



होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते हैं। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।

- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती हैं।

- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।

- ससमुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक

माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करें रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशानः सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करें।

यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करें।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यों के लिए काम में लाए जाते हैं। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग हैं। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांति सूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अतः इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करें। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

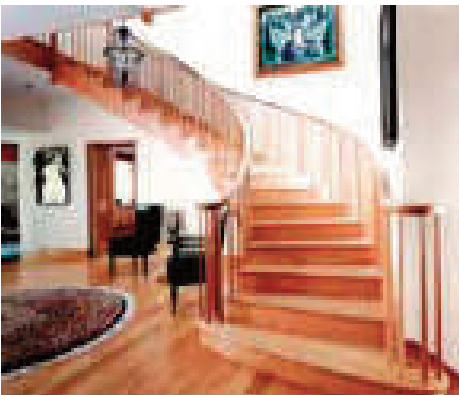


घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अतः वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती है।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिए। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई



घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिए।

- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिए।

जानें, किस तरह पानी की स्थिति दिलाती है घर में परेशानी से निजात

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान, सही दिशा में रखने से परिवार का स्वास्थ्य अनुकूल व सुख-समृद्धि में वृद्धि होती।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अतः पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर-पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है।

ध्यान रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमार की स्थिति पैदा हो सकती है। ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए।

खुशहाली के लिए लगाएं रत्नों का पौधा

रत्नों का पौधा सुनने में भी भले ही काल्पनिक लगे किन्तु वास्तविकता यही है कि चीनी पद्धति में इस पौधे का अधिक महत्व है। यह पौधा तरह-तरह के रत्नों और स्मॉल को का बना होता है। इसमें कई वैरायटीज होती हैं।

नवरत्न पेड़ नवग्रहों की शांति, सुख तथा पारिवारिक शांति के लिए उपयोग किया जाता है। एमेथिस्ट का पेड़, दिमाग का संतुलन बनाए रखता है। रंग-बिरंगे रत्नों से सजे इस पौधे को यदि घर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रखा जाए तो निश्चित रूप से जीविका चलाने वाले व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे घर में दक्षिण-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है। इसे व्यवसायिक स्थल पर रखने से सम्पदा मिलती है। इसे बैठक में भी रखा जा सकता है। इसका एक और महत्वपूर्ण कार्य नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना भी है। चीनी संस्कृति और फेंगशूई में ड्रैगन को बहुत सम्मान दिया जाता है और इसे शुद्ध मानते हैं। कई पीढ़ियों से ड्रैगन शक्ति, अच्छे भाग्य और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ड्रैगन एक कीमती कास्मिक ची बनाता है, जिसे शेंग ची भी कहते हैं, जिससे घर और कार्यस्थल पर भाग्य साथ देता है। डबल ड्रैगन को यूं तो किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे ज्यादा कारगर माना गया है।

यह ड्रैगन लकड़ी, सेरेमिक व धातु में उपलब्ध है। दो ड्रैगन का जोड़ा समृद्धि का प्रतीक है। इनके पैर के पंजों में ज्यादा मोती सबसे ज्यादा ऊर्जा संजोये हैं। फेंगशूई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। ड्रैगन येंग यानी पुरुषत्व, हिम्मत और बहादुरी का प्रतीक है। लकड़ी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व



या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व वया उत्तर पश्चिम में रखें।

छात्र इसे अपनी पढ़ाई की टेबल पर रखें। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में इसे रखने से अच्छे सलाहकार, दोस्त व बढिया नेतृत्व करने वाले साथी मिलेंगे।

नहीं चाहते किसी से विवाद, तो आजमाइए यह लाजवाब उपाय

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

क्षमा का अर्थ है, 'किसी के द्वारा की गई गलती को स्वेच्छा से समाप्त कर देना।' जैन धर्म में क्षमा

'क्षमावाणी' पर्व रूप में मनाई जाती है। इस पर्व को जैन धर्म के अनुयायी दशलक्षण महापर्व के रूप में मानते हैं। दस दिन, दस सिद्धांतों को मानते हुए दसवें दिन क्षमावाणी का पर्व मनाया जाता है।

जैन संत विद्यासागर जी महाराज

कहते हैं, 'अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना चाहिए। स्वयं से जाने-

अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना क्षमा पर्व का महत्व है।

अन्य धर्मों में क्षमा जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है। महाभारत में क्षमा के बारे में उल्लेख मिलता है, 'दुष्टों का बल हिंसा है, राजाओं का बल दंड है और गुणवानों का क्षमा है।' ठीक इसी तरह श्रीमद्भागवद् में उल्लेखित है, 'वही साधुता

है कि स्वयं समर्थ होने पर क्षमाभाव रखे।' इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान में उल्लेखित है, जो क्षमा करता है और बोती बातों को भूल जाता है, उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। वहीं, खलील जिब्रान ने कहा है, 'जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं कर सकता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का अवसर कभी प्राप्त न होगा।' क्षमा का मनोविज्ञान मनोविज्ञानी भी क्षमा के महत्व को मानते हैं। कई मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार, 'क्षमा का मनुष्य के व्यक्तित्व में बहुत महत्व होता है। यदि कोई अदमी माफी मांगने पर भी किसी को माफन करे तो उसके व्यक्तित्व में भी 'अहम' संबंधी विकार होता है। यानी माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।



लंका में प्रवेश और लंकिनी पर प्रहार



सौ योजन चौड़े विशाल समुद्र को पार कर हनुमान जी आकाश में उड़ते हुए शीघ्र ही लंका नगरी के निकट जा पहुंचे। वहां का दृश्य बड़ा ही सुहावना था। चारों ओर तरह-तरह के सुंदर वृक्ष लगे हुए थे। सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। भांति-भांति के पक्षी आनंद में चहक रहे थे।

शीतल, मंद, सुगंधित हवा बह रही थी। बड़ा ही मनमोहक दृश्य था लेकिन श्री हनुमान जी का मन इस समय प्राकृतिक छटा में बिना डूबे लंका में प्रवेश की योजना बनाने में खोया हुआ था। महावीर हनुमान जी ने सोचा कि माता सीता जी को रावण ने जिस स्थान पर छुपा कर रखा है उसका पता तो मुझे लगाना ही है और साथ ही मुझे यहां के बारे में अन्य आवश्यक बातें भी जान लेनी चाहिए। मुझे यहां पूरी सेना के ठहरने लायक स्थान, जल-फल की सुविधा आदि का पता भी करना चाहिए। रावण का दुर्ग (किला) दूर से ही देखने पर अत्यंत दुर्गम मालूम पड़ता है।

अतः युद्ध के विचार से इसकी एक-एक बात का पता लगा लेना भी आवश्यक है परन्तु अपने असली रूप में और वह भी दिन के उजाले में इस नगरी में प्रवेश करना तो बहुत बड़ी भूल होगी। इसीलिए रात्रि के समय सबके सो जाने पर सूक्ष्म वेश धारण करके ही मेरा इस नगरी में प्रवेश करना उचित होगा। रात हो जाने पर मच्छर के समान अत्यंत छोटा रूप बन कर तथा मन ही मन प्रभु श्री राम चंद्र जी का स्मरण करते हुए हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया। चारों ओर भयानक व विकराल राक्षस-राक्षसियों का पहरा था। वह नगरी बहुत अच्छी तरह से बसाई गई थी। सड़कें-चौराहे सब बहुत ही सुंदर थे। उसके चारों ओर समुद्र था। पूरी नगरी सोने की बनी हुई थी। स्थान-स्थान पर सुंदर बगीचे और जलाशय बने हुए थे। हनुमान जी अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ ही रहे थे कि लंका की रक्षा करने वाली लंकिनी राक्षसी ने उन्हें पहचान लिया। उसने आगे बढ़ कर हनुमान जी को डराते हुए कहा, "अरे! तू कौन है? जो चोर की तरह छिप कर लंका में प्रवेश कर रहा है। क्या तुझे यह पता नहीं है कि लंका में घुसने वाले चोर ही मेरे आहार हैं? इससे पहले कि मैं तुझे खा जाऊं-तू अपना सारा रहस्य बता दे कि यहां क्यों आया है?"

हनुमान जी ने सोचा कि यदि मैं इससे किसी प्रकार का विवाद करता हूं तो शोर सुनकर बहुत से राक्षस यहां इकट्ठे हो जाएंगे। अतः मुझे इसे बेहोश करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने बाएं हाथ की मुष्टिका (मुट्ठी) से उस पर प्रहार किया। उस प्रहार से वह मुंह से खून फैंकती हुई बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी किंतु शीघ्र ही वह पुनः उठकर खड़ी हो गई। उसने कहा, "वानर वीर! अब मैंने तुम्हें पहचान लिया है। तुम भगवान श्री राम चंद्र जी के दूत हनुमान हो। मुझसे बहुत पहले ब्रह्मा जी ने कहा था, 'त्रैतायुग में हनुमान नामक एक वानर लंका में सीता जी की खोज करता हुआ आएगा। तू उसकी मार से बेहोश हो जाएगी। जब ऐसा हो तब समझना कि शीघ्र ही सारे राक्षसों के साथ रावण का संहार होने वाला है। वीर रामदूत हनुमान! अब तुम निर्भय होकर लंका में प्रवेश करो। मेरा परम सौभाग्य है कि ब्रह्मा जी की कृपा से मुझे परम पवित्र श्री रामदूत के दर्शन हुए।"



फॉर्म 6 का ‘फ्राँड’

चुनाव आयोग, खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता, विपक्षी आंदोलन और राजनीति के निशाने पर हैं। कांग्रेस कार्यसमिति और शेष विपक्ष की सामूहिक मांग है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित किया जाए। यदि संभव है, तो उसे रद्द ही कर दिया जाए। अभी तक जिन 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें बहाल किया जाए। यह कैसे संभव है, क्योंकि उनमें से 2.80 करोड़ से ज्यादा मतदाता तो 'दिवंगत' (मृत) हो चुके हैं। शेष 10.57 करोड़ काटे गए नामों पर चुनाव आयोग को बाध्य किया जाना चाहिए। दिल्ली में यह मामला सामने आया है। 'बेला एस्टेट' में अधिकतर झुग्गी-झोंपड़ियाँ थीं। लोगों ने अवैध अतिक्रमण किए हुए थे और वे वहां बसे हुए थे। 2022-23 में उन झुगियों को तोड़ दिया गया। वहां 728 वैध मतदाता रहते थे, जिनके पास चुनाव आयोग की मान्यता थी और वे लगातार मतदान करते रहे थे। झुगियाँ टूटीं, तो वे बेघर हो गए। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ को उस जगह कोई नहीं मिला। किसी एक ने 'मतदाता पहचान पत्र' दिखाया। नतीजतन 728 में से 727 मतदाताओं के नाम

काटे दिए गए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन बेघरों के पास गए और मोबाइल पर ईआरओ से पूछा कि इतने नाम किस आधार पर काट दिए गए? बहरहाल जब यह खबर टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियों में आ गई कि 'बेला एस्टेट' के बेघर परिवार प्लाईओवर के नीचे जीने को विवश हैं, तो चुनाव आयोग ने अपने बीएलओ भी वहां भेजे। कटे हुए नामों के उन लोगों को 'फॉर्म 6' भर कर 'नया मतदाता' बनने की सलाह दी गई। खबर बताई जाती है कि 418 लोगों से 'फॉर्म 6' भरवा भी लिए गए हैं। अब नई मतदाता-सूची में उनके नाम भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने यह 'संवैधानिक फ्राँड' खेला है। फॉर्म 6 उन लोगों के लिए है, जो बिल्कुल पहली बार मतदाता बनना चाहते हैं। वे पहले कभी भी मतदाता न रहे हों। ऐसा घोषणा-पत्र भी भर कर हस्ताक्षर करने पड़ते हैं। लेकिन ये तो पहले भी मतदाता रहे हैं और उन्होंने एसआईआर में 'अधिकृत फॉर्म' भी भर था। क्या यह संवैधानिक कवायद है? यदि 418 काटे गए नाम, अंततः, मतदाता बन गए हैं, तो शेष लोग भी मतदाता बनाए जा सकते हैं। तो फिर एसआईआर का औचित्य क्या रहा? क्या इस तरह चुनाव आयोग 'फ्रॉड' नहीं कर रहा है और 'फॉर्म 6 के साथ 'झूटे' घोषणा पत्र भी नहीं भरवा रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जानकारों में यह पूरा मामला है, लिहाजा उनका आंदोलन सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता के इस्तीफे पर केंद्रित है। राहुल को यकीन है कि अंततः प्रधानमंत्री मोदी ही सीईसी का इस्तीफा करवाएंगे, क्योंकि ज्ञानेश तो उन्हीं की 'कठपुतली' हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने तो प्रधानमंत्री का ही इस्तीफा मांग लिया है। फॉर्म 6 के इस कथित फर्जीबाई में भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भी फंसे हैं। वह जब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे, तो वह पंजाब के मतदाता थे और 'आप' के प्रत्याशी थे, लेकिन बाद में 'आप' के 7 राज्यसभा सांसद पालाबदल कर भाजपा में शामिल हो गए, तो अब उन्हें दिल्ली का मतदाता बनाया गया है। इसमें कोई अपराध नहीं है, क्योंकि व्यक्ति स्थानांतरित होता है, तो मतदाता भी बदला जा सकता है। अलबना संवैधानिक हेरफेरों न की जाए। बताया जाता है कि राघव चड्ढा से फॉर्म 6 भरवाया गया है। हम इसकी पुष्टि नहीं करते, लेकिन 'आप' ऐसा कह रही है और अदालत में इसे चुनौती देने की बात

भी पार्टी ने की है। दरअसल एसआईआर का मुद्दा बेहद पेचीदा हो गया है। दिल्ली में ही 9 लाख से अधिक बांग्लादेशी बस चुके हैं। वे अभी तक मतदाता भी बने रहे हैं। सवाल यह है कि चुनाव आयोग ने उन्हें एसआईआर के दौरान क्या चिन्हित किया है? सर्वोच्च अदालत में यह मामला विचारधीन है और एक मामले में तो एसआईआर को 'अवैध' करार देने की भी मांग की गई है। जो भी हथगोटा, देखा जाएगा, लेकिन इस मुद्दे ने हमारी राजनीति को बिल्कुल विभाजित और विफल बना दिया है। विपक्ष को चुनाव आयोग की मनमार्जिनयें पसंद नहीं हैं और सारा देश इस मसले पर अंदोलित है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी लेकर आ रहा है। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग के जरिए हटाना आसान नहीं है, क्योंकि विपक्ष के पास वांछित बहुमत नहीं है, फिर भी इसके जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ एक तरह का माहौल तो बन ही रहा है।

भी पार्टी ने की है। दरअसल एसआईआर का मुद्दा बेहद पेचीदा हो गया है। दिल्ली में ही 9 लाख से अधिक बांग्लादेशी बस चुके हैं। वे अभी तक मतदाता भी बने रहे हैं। सवाल यह है कि चुनाव आयोग ने उन्हें एसआईआर के दौरान क्या चिन्हित किया है? सर्वोच्च अदालत में यह मामला विचारधीन है और एक मामले में तो एसआईआर को 'अवैध' करार देने की भी मांग की गई है। जो भी हथगोटा, देखा जाएगा, लेकिन इस मुद्दे ने हमारी राजनीति को बिल्कुल विभाजित और विफल बना दिया है। विपक्ष को चुनाव आयोग की मनमार्जिनयें पसंद नहीं हैं और सारा देश इस मसले पर अंदोलित है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी लेकर आ रहा है। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग के जरिए हटाना आसान नहीं है, क्योंकि विपक्ष के पास वांछित बहुमत नहीं है, फिर भी इसके जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ एक तरह का माहौल तो बन ही रहा है।

कुछ अलग

क्या सस्ता युग आ गया है बंधु

उम्मीद

नहीं है, लेकिन उम्मीद रखने के लिए कहा जा रहा है। चुप अंधेरा फिर भी फानूस की रौशनी करके जागरण को जगारता मानया जा रहा है। देश डिजिटल हो रहा है। इंटरनेट ताकत के गोड़े पर सवार हो रहा है, लेकिन ग्रामीण भारत के स्कूलों में एक अल्पांक आज भी इक। पाँच कक्षाएँ पढ़ा रहा है। वर्गमाला की पहचान तक न रखने वाले भाषा विज्ञानी बने हुए हैं और पहाड़े रटने की उम्र में कैलकुलेटर ज्ञान का सहारा लेकर गणितज्ञ बन रहे हैं। देश शिक्षित हो गया है, यह हम उस पीढ़ी को बताते हैं जो शिक्षा परिसरों को छोड़ कर अपेक्षित बीजा बँड के लिए कदम-कदम पर खुलती नई अकादमियों में ठिकाना तलाशती हैं। सात समुद्र पार जाने के उसके रास्ते में न जाने कितने प्रविचर्यों की चीन की दीवार खड़ी कर दी गई। नौजवान जंगलों में भटक कर डंकी बन कर उस धरती पर जगह तलाश रहे हैं जहां उनका कोई इंतजार नहीं करता, कोई आमंत्रण नहीं देता, फिर भी भीड़ लगती है।

दृष्टि कोण

पानी के लिए बांग्लादेश की ‘हिलसा’ कूटनीति

जिस शेख हसीना ने फिश डिप्लोमेसी की शुरुआत की थी, वो अब राजनीति के जल से बाहर हैं। हिलसा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है। स्थानीय लोग इसे इलिश कहते हैं। स्वाद में बेजोड़ होने की वजह से इसे मछलियों की रानी भी माना जाता है। इलिश के बगैर 'ईई' पार बांग्ला या ओई पार बांग्ला' की जनता रह नहीं सकती। बीते 26 सितंबर 2026 को दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन में हिलसा फेस्टिवल आयोजित हुआ था, जिसमें कुछ वरिष्ठ राजनेता, राजनयिक, हस्तकार, शिक्षाविद और सांस्कृतिक एक्सपर्ट शामिल हुए। उस हिलसा फेस्टिवल में तबे पर हिलसा फ्राई का मेहमानों ते लुफ्त उड़ाया। चायकपुरी स्थित दूतावास के मैत्री ऑडिटोरियम में आयोजित इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य फूड एवं कलिंगरी डिप्लोमेसी

के जरिए भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक संबंधोंको प्रगाढ़ करना था। इस अवसर पर ढाका से प्रकाशित एक विशेष पुस्तक 'ए फिश कॉलंड इलिश' का विमोचन भी भारतीय हस्तियों द्वारा किया गया। उत्सव में आए मेहमानों को हिलसा मछली से बने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक बांग्ाली व्यंजन, जैसे सरसें हिलसा, फ्राइड हिलसा आदि, के साथ-साथ पारंपरिक बांग्लादेशी भोजन परोसा गया। बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हामिदुल्लाह ने इस अवसर पर कहा कि हिलसा सिर्फ एक मछली नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश की पहचान, समाज और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ी हुई है। यह आयोजन ऐसे समय में किया गया, जब दोजो देशों के बीच हिलसा के व्यापारिक समीकरणों को लेकर कई कूटनीतिक चर्चाएं चल रही हैं। वर्ष

1991 के बाद से बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों में उतार-चढ़ाव इन दोनों देशों के राजनेताओं के सत्ता में आने-जाने के साथ बदलते रहे हैं। शायद किसी को याद हो कि 19 मार्च 1998 को जैजपी के दोबारा

सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश के तत्कालीन विदेश मंत्री आनन-फानन में नई दिल्ली पहुंचे थे। यह भूलकर कि पार्टी महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि देश का स्थायी हित महत्वपूर्ण है। उन दिनों शेख हसीना

सत्ता में थीं। 16 मई से 1 जून 1996 तक अटल बिहारी वाजपेयी की 16 दिनों की पहली टर्म वाली सरकार को उन्होंने हल्के में लिया था। भारत में कई लोग ऐसा मानते हैं कि 1971 में भारत ने जो कूटनीति दी थी, बांग्लादेश ने उसकेलिए पर्याप्त आभार नहीं जताया। शायद ही कोई इस बात से इनकार करेगा कि भारत में चार पार्टियों वाली समावेशी सरकार के समय दोनों देशों के रिश्ते बहुत निचले स्तर पर थे। उस दौरान विदेश मंत्री स्तर की किसी द्विपक्षीय यात्रा की बात तो दूर, सरकार प्रमुख की यात्रातक नहीं हुई थी। केंद्र में सत्ता मजबूत होती है, तो रिश्ते भी बदलते हैं। शेख हसीना, 'जैसी बही बयार, पीठ तब तैसी कीजिए', वाली राजनेता रही हैं। दक्षिण एशिया में 'हिलसा डिप्लोमेसी' की शुरुआत 1996 में सद्भावना और सहयोग के इरादे से हुई

थी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 1996 की ऐतिहासिक गंगा जल बंटवारा संधि से ठीक पहले, सद्भावना के एक सोचे-समझे कदम के तौर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु को हिलसा मछली की एक खेप भेजी थी। 12 दिसंबर 1996 को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके भारतीय समकक्ष एच. डी. देवेगौड़ा के बीच हुई 30 साल की इस संधि ने जनवरी-मई के सुखे मौसम के दौरान गंगा के पानी के बंटवारे का एक ढांचा तैयार किया था। इस दौरान नदी का बहाव काफी कम हो जाता है। भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल संधि 11 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। वर्ष 1996 के बाद उभयपक्षीय परिस्थितियां काफी बदली हैं।

सूर्यदत्त बंसीरत्न पुरस्कारों से संतश्री रमणीकमुनिजी, साध्वीश्री हिमानीजी और डॉ. सोमा घोष सम्मानित



पुणे, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदलती जीवनशैली में संयुक्त परिवार प्रणाली, इंसानियत, सदाचार और सामाजिक प्रतिक्रिया के महत्व को रेखांकित करने की आवश्यकता है। संयुक्त परिवार संस्कारों का पहला विद्यालय है, जहां अच्छा व्यवहार, एक-दूसरे का सहारा बनना और समाज निर्माण में योगदान देने जैसे मूल्य अगली पीढ़ी तक पहुंचते हैं। सुषमा एवं प्रो. डॉ. संजय बी. चोर्डिया दंपति पिछले कई वर्षों से नई पीढ़ी को आदर्श, मूल्य, संस्कार और सामाजिक चेतना की सीख देने का कार्य कर रहे हैं। यह कार्य सराहनीय है। यह विचार वरिष्ठ अभिनेता राजा मुराद ने सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन, पुणे द्वारा संचालित बंसीरत्न वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में व्यक्त किए।

महर्षिनाथ स्थित शिवशंकर सभागृह के साधना सदन में आयोजित समारोह में अहिंसा विश्वभारती के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य डॉ. लोकेशमुनिजी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के सलाहकार डॉ. अरविंद नातू, वरिष्ठ अभिनेता राजा मुराद, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. पराग कालकर, वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका डॉ. सोमा घोष, सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोर्डिया, उपाध्यक्ष एवं सचिव सुषमा चोर्डिया, सहयोगी उपाध्यक्ष स्नेहल नवलखा एवं डॉ. किमया गांधी, मुख्य विकास अधिकारी सिद्धांत चोर्डिया, स्वर्णिमा सिद्धांत चोर्डिया आदि उपस्थित थे।

समारोह में पूज्य संतश्री रमणीकमुनिजी महाराज साहेब को

‘सूर्यरत्न : द सेंट ऑफ मांडर्न इंडिया एवं सूर्यदत्त राष्ट्रीय जीवन गौरव पुरस्कार’, पूज्य साध्वीश्री हिमानीजी महाराज साहेब को ‘सूर्यदत्त साध्वीरत्न राष्ट्रीय पुरस्कार’ तथा पद्मश्री डॉ. सोमा घोष को ‘सूर्यदत्त स्त्रीशक्ति राष्ट्रीय पुरस्कार’ से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पन्नालाल मोतीलाल कोठारी एवं मोतीबन परिवार को ‘सूर्यदत्त बंसीरत्न आदर्श परिवार पुरस्कार’, श्रीमती सरला एवं पृथ्वीराज थोका को ‘सूर्यदत्त बंसीरत्न आदर्श माता-पिता पुरस्कार’, श्रीमती विमल अनिल बाफना को ‘सूर्यदत्त बंसीरत्न समाज शिरोमणि ज्ञानसेवा पुरस्कार’, सुदेशकुमार चंपालाल साकलेचा को ‘सूर्यदत्त बंसीरत्न समाज शिरोमणि पुरस्कार’, श्रीमती निर्मला चंद्रकांत छाजेड को ‘सूर्यदत्त बंसीरत्न समाजजन्य पुरस्कार’, कुंदनलाल दर्दा एवं मोहनलाल कन्हैयालाल संचेती को ‘सूर्यदत्त बंसीरत्न समाजभूषण पुरस्कार’ तथा आशीष रमणलाल बोरा, मनोज मदनलाल छाजेड एवं सुनील पोपटलाल नाहर को ‘सूर्यदत्त बंसीरत्न मानवसेवा पुरस्कार’ प्रदान किया गया। इस अवसर पर 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने वाले जैन समाज के 100 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, स्वर्ण पदक एवं स्काफ प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आचार्य डॉ. लोकेशमुनिजी ने कहा कि समाज निर्माण के लिए केवल व्यक्तिगत सफलता ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है। संयुक्त परिवार प्रणाली से इंसानियत और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि अहिंसा,

सहायक होता है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को सही संस्कार, मार्गदर्शन और पर्याप्त समय दिया जाए तो वे भविष्य में समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य कर सकते हैं। अभिभावकों और समाज को बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

प्रो. डॉ. संजय बी. चोर्डिया ने कहा कि यह कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने के साथ उन्हें करियर और जीवन में सही अवसर एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण मंच है। समाज में अच्छा कार्य करने वालों का उत्साहवर्धन करने से उन्हें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी मिलें, इसके लिए सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई, मेहनत और व्यायाम के साथ माता-पिता एवं बुजुर्गों का सम्मान करने का आह्वान किया।

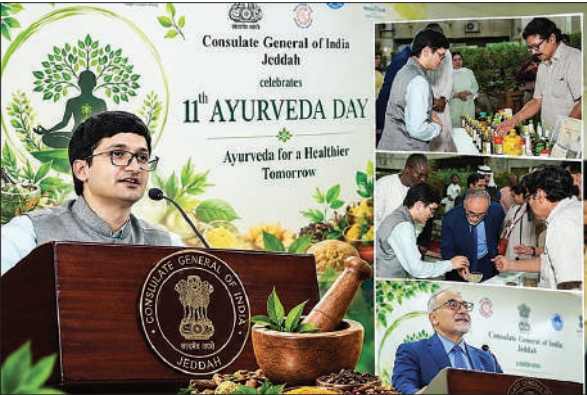
साध्वीश्री हिमानीजी ने उपस्थित जनों को आशीर्वाद देते हुए मार्गदर्शन किया। डॉ. अरविंद नातू, प्रो. डॉ. पराग कालकर, डॉ. सोमा घोष, पन्नालाल मोतीलाल कोठारी, पृथ्वीराज थोका, श्रीमती विमल अनिल बाफना, सुदेशकुमार चंपालाल साकलेचा, श्रीमती निर्मला चंद्रकांत छाजेड, कुंदनलाल दर्दा, मोहनलाल कन्हैयालाल संचेती, आशीष रमणलाल बोरा, मनोज मदनलाल छाजेड एवं सुनील पोपटलाल नाहर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता राठौड़-कटारिया ने किया। स्नेहल नवलखा ने आभार व्यक्त किया।

फ्लोटन अफ्रीका ने पेश किए फ्रॉफिटेबल प्रोजेक्ट्स



हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तंजानिया के जंजीबार को भारतीयों के लिए लाभदायक ओवरसीज रियल एस्टेट डेस्टिनेशन के रूप में पेश किया गया है। शांतिपूर्ण, शांत और निवेश के लिहाज से बेहद अनुकूल माने जाने वाले जंजीबार में रियल एस्टेट निवेश पर अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना जताई जा रही है। तेलंगाना की सफल उद्यमी सपना ब्रह्मरौतु के नेतृत्व वाली फ्लोटन अफ्रीका कंपनी ने भारत में अपनी पहचान बनाने के लिए भव्य प्रेस मीट का आयोजन किया। इस मौके पर कंपनी ने अपने सफल प्रोजेक्ट्स द एमाराल्ड एट पाजे, एमाराल्ड स्क्वायर, रिवोरा बीच क्लब एंड रेसिडेंसेज, होला पाजे और योलो रेसिडेंस का परिचय दिया।

फ्लोटन अफ्रीका जंजीबार में इन प्रोजेक्ट्स के जरिए भारतीय निवेशकों को आकर्षक अवसर उपलब्ध कराने का दावा कर रही है।



जेद्दा, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के वाणिज्य दूतावास, जेद्दा ने 29 सितंबर 2026 को दूतावास परिसर में 11वें आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम आयुर्वेद फॉर ए हेल्दीयर टुमोरो और

व्यापक दुष्टिकोण वन हेल्थ, वन फ्यूचर के तहत यह समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा और समग्र स्वास्थ्य, निवारक देखभाल तथा संतुलित जीवनशैली में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश

डाला गया। पद्मश्री नौफ मारवाई (अरब योगा फाउंडेशन की संस्थापक एवं एशियन योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन की अध्यक्ष), विभिन्न वाणिज्य दूत, राजनयिक समुदाय के सदस्य, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शिक्षाविद, उद्योग प्रतिनिधि और भारतीय समुदाय के लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर हार्मनी इन हीलिंग विषय पर पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के बीच संवाद की संभावनाओं पर चर्चा हुई। आयुर्वेद प्रदर्शनी में आयुर्वेदिक औषधियां, औषधीय पौधे, जड़ी-बूटियां, मसाले और वेलनेस उत्पाद प्रदर्शित किए गए। विशेष रूप से तैयार ‘आयुर् आहार’ ने संतुलित पोषण के महत्व को रेखांकित किया।



किनवट, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायन्स नेत्रालय, नोंदेड एवं श्री साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर संस्थान के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच, मोतियाबिंद सर्जरी, दंत चिकित्सा, कान रोग, रक्तचाप एवं मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों ने लाभ उठाया।

शिविर में कुल 112 लोगों ने पंजीयन कराया। जांच के बाद 35 मरीजों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चयनित किया गया। चयनित मरीजों को लायन्स नेत्रालय, नोंदेड के वाहन से नोंदेड ले जाया गया, जहां उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीजों को उसी वाहन से किनवट वापस छोड़ा गया।

इसके अलावा दंत चिकित्सा के अंतर्गत 25 लोगों का परीक्षण किया गया, वहीं कान संबंधी 17 लोगों की जांच की गई। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. नागेश कदम एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. त्रिमुख क्षीरसागर ने मरीजों की आंखों की जांच की। दंत विशेषज्ञ डॉ. बालाजी धर्मकार एवं दंत विशेषज्ञ डॉ. दुष्टि धर्मकार ने दंत रोगियों का परीक्षण किया। वहीं कान संबंधी मरीजों की जांच कान विशेषज्ञ डॉ. बालाजी सुनार ने की।

मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की रक्तचाप एवं मधुमेह की भी जांच की गई। स्वास्थ्य संबंधी निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर का आयोजन मंदिर संस्थान के सचिवालय पर गुरु स्वामी के मार्गदर्शन में तथा लायन्स क्लब, किनवट के पूर्व अध्यक्ष के. मूर्ती अण्णा की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

पवार गुरु स्वामी ने बताया कि प्रत्येक मरीज को पहले गुरुवार को यह निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया जाएगा। मंदिर संस्थान द्वारा मरीजों के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की जाती है।

इस शिविर में अशोक गाडेकर, गोविंद शिरडकर, अमित पुजारी महाराज, विजय राठोड, दीपक डंबाले, सचिन चव्हाण, उर्मिला कल्याणकर, अजय भरकड सहित भक्त उपस्थित थे।



विदेशी भाषाओं, संचार एवं सॉफ्ट स्किल्स को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने पर चर्चा हुई।

बीआरएस कार्यकर्ताओं की पदयात्रा

मंचेरियल, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की कामना को लेकर मंचेरियल विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा शुरू की। यह पदयात्रा मंचेरियल जिला केंद्र से के.

चंद्रशेखर राव के निवास तक आयोजित की जा रही है। पदयात्रा का शुभारंभ तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष फूस्कर राम मोहन राव ने मंचेरियल जिला केंद्र स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर राम मोहन राव ने कहा कि मंचेरियल से के. चंद्रशेखर राव के निवास तक निकाली जा रही यह पदयात्रा बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक पूरी हो। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में एक बार फिर के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व की वापसी की कामना की जा रही है। पदयात्रा के आयोजकों में शामिल कांपेल्ली विजय ने कहा कि तेलंगाना के दलित, पिछड़े और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए के. चंद्रशेखर राव को फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार के. चंद्रशेखर राव का शासन तेलंगाना की जनता के लिए सुरक्षा और कल्याण का आधार रहा है। कार्यक्रम में मंचेरियल कृषि बाजार समिति के पूर्व अध्यक्ष पल्ले भूमेेश, महिला एवं बाल विकास समिति मंचेरियल जिला की पूर्व अध्यक्ष अनी सरोज, पूर्व पार्षद बंडी पद्म, मोहम्मद ताजुद्दीन, गंगुलु, बीआरएस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद रफी, कोसरी रवींद्रनाथ, मोहम्मद शकील, अजीम, नांचर्ला शोभन, गुम्मूला वेंकटेश्वरलु, ईसापुर श्रीनिवास सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।



9/11 बाल...

फ्लाइटडर24 ने इस पूरे घटनाक्रम को तेजी से नीचे आना, तेजी से ऊपर जाना और फिर दोबारा नीचे आना बताया है। उसके अनुसार विमान 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रहा था और बाद में सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ दिया गया।

नीचे आने के बाद फिर तेजी से चढ़ा विमान

विमान करीब 16,600 फीट की ऊंचाई पर सबसे नीचे पहुंचा। इसी दौरान उसने पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर करीब 135 डिग्री का मोड़ लिया। इसके बाद विमान ऊपर जाने लगा। आंकड़ों के मुताबिक, विमान ने एक मिनट से भी कम समय में करीब 5,000 फीट की ऊंचाई हासिल की। इसके बाद वह फिर नीचे आया और 15,000 फीट से भी कम ऊंचाई पर पहुंच गया।

फ्लाइटडर24 के अनुसार, विमान बाद में करीब 15,000 फीट की ऊंचाई के आसपास रहा और उसकी भू-गति में भी काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। इसके बाद विमान ने आपात संकेत प्रसारित किए और अंततः सऊदी अरब के तबुक हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

टीवी चैनल की 3डी तस्वीर में विमान के रास्ते, तेजी से नीचे आने, फिर ऊपर जाने और उसके बाद यू-टर्न लेने का पूरा क्रम दिखाया गया है। तस्वीर में विमान का इस्तेमाल किया गया चिह्न केवल समझाने के लिए है। वास्तविक उड़ान बोइंग 737 मैक्स विमान से हुई थी। फ्लाइटडर24 के अधिकृत स्रोतों के भी एफजेड10 के लिए बोइंग 737 मैक्स 8 विमान का उल्लेख है।

आखिर विमान के साथ क्या हुआ?

इन आंकड़ों से यह जरूर पता चलता है कि उस दौरान विमान की ऊंचाई, दिशा और गति में क्या बदलाव हुए, लेकिन इससे यह साफ नहीं होता कि कॉकपिट में इन वक्त क्या चल रहा था या विमान अचानक इतनी तेजी से नीचे क्यों आने लगा। इसका सही जवाब जांच पूरी होने के बाद ही मिलेगा। जांच करने वाली टीमें विमान की स्थिति, मौके से मिले साक्ष्य, उड़ान रिकॉर्ड, कॉकपिट से जुड़े आंकड़ों और चरमदीनों की जानकारी की जांच करेंगी। फिलहाल सामने आए आंकड़े 30 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर एफजेड1073 के उन करीब 30 सेंकंड की तस्वीर दिखाते हैं, जब विमान तेजी से नीचे आया, अचानक दिशा बदली, फिर ऊपर गया और दोबारा नीचे आ गया। इस मुश्किल वक्त में विमान को वापस नियंत्रण में लाने के लिए चालक दल ने क्या कदम उठाए, इसकी पूरी जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

विमान के तबुक पहुंचने और सुरक्षित उतरने की पुष्टि फ्लाइटडुबई ने भी की है। एयरलाइन के अनुसार, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित थे और उनकी स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों के साथ साझा की गई।

ओमानी पायलट...

लेकिन दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण की कोई द्विपक्षीय संधि नहीं है।बेन-गवीर ने बयान में कहा, जिस किसी ने

भी विमान को क्रैश करने और 180 इजरायलियों की हत्या करने की योजना बनाई, उसे इजरायल प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए और उसे यहां सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।उन्होंने घटना के दौरान हस्तक्षेप करने वाले यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इजरायल की सुरक्षा नीति स्पष्ट होनी चाहिए और जो लोग इजरायलियों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, हमारी सुरक्षा नीति साफ होनी चाहिए, जो कोई भी इजरायलियों की हत्या करने या उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, इजरायल राज्य उसका पीछा करेगा और दुनिया में कहीं भी उससे हिसाब बराबर करेगा।

भारतीय पायलट स्मित मछार गंभीर रूप से घायल

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध सह-पायलट ने भारतीय कप्तान स्मित मछार पर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मछार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कथित हमलावर को काबू करने में सहायता की। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से तबुक में उतारा गया।

स्मित मछार का सऊदी अरब में उपचार किया गया। भारतीय अधिकारियों और राजनयिक मिशनों ने उनकी स्थिति पर नजर रखी। घटना के बाद उन्हें आगे के उपचार के लिए संयुक्त अरब अमीरात ले जाने की भी जानकारी सामने आई है।

घटना के कारणों और मकसद की जांच जारी

फ्लाइटडुबई की उड़ान एफजेड 1073 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव के लिए रवाना हुई थी। घटना के बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक में आपात स्थिति में उतारा गया। संयुक्त अरब अमीरात ने भी इस घटना की जांच शुरू की है। जांच का उद्देश्य घटना की परिस्थितियों, कारणों और संभावित मकसद का पता लगाना है तथा यह भी देखा जा रहा है कि कहीं इसका किसी आतंकवादी गतिविधि या पूर्व नियोजित साजिश से संबंध तो नहीं है।

इजरायल में विमानन सुरक्षा की समीक्षा

घटना के बाद इजरायल में विमानन सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा शुरू कर दी गई है। परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने जांच पूरी होने तक इजरायल के लिए फ्लाइटडुबई की उड़ानों को रोकने की मांग की। वहीं, इजरायली विमानन एवं सुरक्षा अधिकारियों ने इजरायली हवाई क्षेत्र की ओर आने वाले विमानों के पायलटों की सुरक्षा जांच और उनसे संबंधित प्रक्रियाओं की समीक्षा शुरू की है।

फिलहाल घटना के पूरे हालात, सह-पायलट के कथित मकसद और किसी संभावित पूर्व नियोजित साजिश से जुड़े पहलुओं की जांच जारी है। उपलब्ध रिपोर्टों में इन पहलुओं पर अभी अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

मोदी...

रंगरेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल के कोहेडा में विश्वस्तथी एकिकृत फल बाजार के निर्माण कार्य को तेज करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए सरकार की ओर

से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

लंबे समय से अधूरी पड़ी 10 ईपीसी पद्धति की सिंचाई परियोजनाओं को रोकने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी। लंबे समय से इन परियोजनाओं का काम पूरा नहीं होने के कारण इन्हें आगे जारी नहीं रखने का निर्णय लिया गया है।

तेलंगाना में डिजिटल मीडिया के लिए अलग विज्ञापन नीति लागू करने का निर्णय लिया गया है। यह नीति केंद्र की डिजिटल विज्ञापन व्यवस्था के अनुरूप तैयार की जाएगी। इसके तहत डिजिटल मीडिया संस्थानों को सरकारी विज्ञापन देने के लिए एक निर्धारित व्यवस्था बनाई जाएगी।

नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन के लिए डिप्टी कमिश्नर के एक पद को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही दिल्ली में राज्य सरकार के कार्यों के लिए चार ग्रुप-1 अधिकारियों की तैनाती को भी मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के इन फैसलों के तहत कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित डीए-डीआर जारी करने का रास्ता साफ हुआ है। वहीं, बारिश की कमी, धान खरीद, बिजली की बढ़ती मांग, सिंचाई परियोजनाओं और डिजिटल मीडिया से जुड़े मामलों में भी सरकार ने कई निर्णय लिए हैं।

तरकश में...

ब्रज में नवीन प्रजापति और पश्चिम में सुनील भाटी को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सुरेश यज्ञसेनी को प्रदेश कोषाध्यक्ष, विजय गुप्ता को कार्यालय मंत्री, साकेत शर्मा को मीडिया प्रभारी और प्रवीण कुशवाहा को सामाजिक माध्यम संयोजक बनाया गया है। शोध विभाग की जिम्मेदारी जितेंद्र सिंह लोधी को दी गई है।

महिला मोर्चा में भी नई टीम

भाजपा ने उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा की नई प्रदेश टीम का भी ऐलान किया है। सरोज कुशवाहा की अध्यक्षता वाली टीम में 12 प्रदेश उपाध्यक्ष, 2 प्रदेश महामंत्री और कई प्रदेश मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है।

महिला मोर्चा में रागिनी जायसवाल को प्रदेश मंत्री, रानिका जायसवाल को कोषाध्यक्ष, रुचि राय को सह-कोषाध्यक्ष और सारिका शीवास्तव को कार्यालय मंत्री बनाया गया है। वहीं, शिप्रा त्रिपाठी को मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी मिली है।

महिला मोर्चा के छह क्षेत्रों के लिए भी क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। पश्चिम में अचला सिंह जाट, ब्रज में चंद्रेश गुप्ता, कानपुर में मोना शुक्ला, अवध में डॉ. श्वेता सिंह, काशी में सुनीता राजेश सिंह और गोरखपुर में संध्या त्रिपाठी को जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टी ने किसान मोर्चा और अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश टीमों का भी गठन किया है। किसान मोर्चा की कमान देवेंद्र सिंह चौधरी और अनुसूचित जाति मोर्चा की जिम्मेदारी अशोक रावत के पास है। दोनों मोर्चों में प्रदेश स्तर के साथ क्षेत्रीय स्तर पर भी पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं।इन संगठनात्मक नियुक्तियों के साथ

भाजपा ने उत्तर प्रदेश में अपने विभिन्न मोर्चों की प्रदेश और क्षेत्रीय संरचना को अंतिम रूप दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी के पांच प्रमुख मोर्चों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

ममता...

यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच विवाद चल रहा है। चुनाव आयोग ने आगामी उपचुनावों के लिए दोनों गुटों को अलग-अलग अंतिम नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फुटबॉल खिलाड़ी' चुनाव चिह्न दिया गया है, जबकि प्रतिद्वंद्वी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है।

ये नाम और चुनाव चिह्न आगामी उपचुनावों के लिए अंतिम व्यवस्था के तहत दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों के बीच पार्टी के नाम और पारंपरिक चुनाव चिह्न को लेकर चल रहे विवाद के बीच यह व्यवस्था की है।इंडिया गठबंधन में शामिल होने की इच्छा का ऐलान डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस की ओर से इंडिया गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताए जाने के साथ पश्चिम बंगाल की विपक्षी राजनीति में एक नया राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। हालांकि, पार्टी ने स्पष्ट किया है कि गठबंधन में शामिल होने के लिए उसकी प्रमुख शर्त ममता बनर्जी को गठबंधन से बाहर रखना है।

मुसीबत...

ये चीजें करने से आपको मुश्किल समय में आर्थिक और भावनात्मक रूप से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य में अच्छे दिन जरूर वापस आएंगे। समय के चक्र का यही स्वभाव है।दंडपाणि की पोस्ट सामने आने के बाद सामाजिक माध्यम पर लोगों के बीच इस सलाह को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ लोगों ने इसे सही और जरूरी सलाह बताया, जबकि कई मध्यमवर्गीय परिवारों से जुड़े लोगों ने सवाल उठाया कि वर्तमान समय में तीन महीने की बचत करना भी कई परिवारों के लिए कठिन है, ऐसे में तीन साल के खर्च के बराबर आपाकालीन निधि तैयार करना कैसे संभव होगा। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, सिर्फ दो महीने का फंड जुटाना भी बहुत बड़ी बात होती है। इमरजेंसी फंड, हेल्थ फंड वगैरह की जरूरत होती है। हम लोग तीन साल का कैसे जुटाएं।एक अन्य उपयोगकर्ता ने लिखा, मैं पूरी तरह सहमत हूँ। समस्या यह है कि ज्यादातर लोग 1979 से संसेक्स को अध्ययन नहीं करते हैं। ऐसे दौर भी आए हैं, जब इसने लगातार तीन साल तक नकारात्मक रिटर्न दिया है।एक अन्य उपयोगकर्ता ने पूछा, क्या मुझे अपना सोना बेच देना चाहिए? मैं ऐसा इंसान हूँ, जिसने कभी हाथ में नकद रखने के बारे में नहीं सोचा, लेकिन आपकी पोस्ट ने मुझे इस बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया।वहीं, एक

अन्य उपयोगकर्ता ने दंडपाणि की सलाह से अलग राय रखते हुए लिखा कि कुछ बचत जरूर होनी चाहिए, लेकिन पुर और कार खरीदने के लिए लोन लेने में उसे कोई बुराई नहीं लगती।उस उपयोगकर्ता ने कहा कि यदि बाजार बुरी तरह गिर जाए और आर्थिक संकट आ जाए तो वित्त मंत्रालय पूरे देश में दो-तीन साल के लिए ऋण की मासिक किस्त टालने का विकल्प दे सकता है और कुछ ब्याज का बोझ भी उठा सकता है, जैसा कोविड के समय हुआ था।उन्होंने यह भी तर्क दिया कि यदि लोग अत्यधिक सावधानी बरतने लें और खरीदारी बंद कर दें तो कारोबार प्रभावित हो सकते हैं और कहां संख्या में लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। उन्होंने दंडपाणि से इतने निराशावादी न बनने की अपील की।दंडपाणि की पोस्ट में संभावित आर्थिक कठिनाइयों से निपटने के लिए व्यक्तगत स्तर पर वित्तीय तैयारी पर जोर दिया गया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि उनकी सलाह को लेकर लोगों की राय अलग-अलग है। कुछ लोग अधिक बचत और कम कर्ज को आर्थिक सुरक्षा के लिए जरूरी मान रहे हैं, जबकि अन्य का कहना है कि अत्यधिक सावधानी से उपभोग और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

ओवैसी...

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन को लेकर अब दूसरी राजनीतिक पार्टियों को फैसला करना है। उनकी पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। जब भी किसी दल के साथ गठबंधन होगा, इसकी जानकारी सार्वजनिक कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अपना राजनीतिक भविष्य खुद तय करेगी और अपना नेतृत्व तैयार करेगी। उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा की सभी 403 सीटों के लिए चुनाव प्रस्तावित हैं। एआईएमआईएम ने इससे पहले भी कहा था कि वह उत्तर प्रदेश में गठबंधन के विकल्प खुले रखेगी और गठबंधन होने की स्थिति में इसकी घोषणा करेगी।

ओवैसी ने उन राजनीतिक दलों पर भी सवाल उठाए, जो चुनाव हारने के लिए कभी उनकी पार्टी के चुनाव लड़ने और कभी मतों की चोरी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को स्पष्ट करना चाहिए कि वह चुनाव में हार के लिए किसे जिम्मेदार मानता है।

उनके मुताबिक, यदि एक ओर चुनाव में हार के लिए एआईएमआईएम के चुनाव लड़ने को जिम्मेदार ठहराया जाता है और दूसरी ओर मतों की चोरी का आरोप लगाया जाता है, तो दोनों तर्कों को एक साथ रखने पर सवाल खड़े होते हैं।

ओवैसी के ताजा बयान के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एआईएमआईएम के संभावित गठबंधन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हुई है। हालांकि, 1 अक्टूबर तक पार्टी की ओर से किसी संभावित सहयोगी दल का नाम घोषित नहीं किया गया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timeings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 02 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में 30.09.2026 को दुपहर 2.15 बजे हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह संस्थान के एस.बी. हाल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध विज्ञान संचारक एवं वैज्ञानिक डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी उपस्थित हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी ने पृथ्वी के परे जीवन शीर्षक व्याख्यान दिया। अपने वक्तव्य के दौरान सरल एवं सुबोध हिन्दी में सौर मंडल, आकाश गंगा, सौर मंडल के विभिन्न ग्रहों के साथ पृथ्वी का संबंध, मंगल पर जीवों का अन्वेषण और उस ग्रह की भौगोलिकी, ड्रेक समीकरण, कार्ल सागन आदि पाश्चात्य वैज्ञानिकों की अवधारणाएँ, उड़न दशती, (यू एफ ओ), पृथ्वी पर जीवन का संभवन, जीवन के आरंभ के बारे में कुछ विचार, सौर मंडल के अन्य ग्रहों जैसे कि चांद, बुध, शुक्र (भोर का तारा), इन ग्रहों के वातावरणों की विशेषताएँ, मंगल पर आँधी, रेगिस्तान, पानी के बहाव चिह्न, बृहस्पति ग्रह, और उसके उपग्रह, शनि ग्रह के उपग्रह, उल्का पिंडों के प्रकार, अंटार्कटिका में मिले उल्का पिंडों के प्रमाण, ड्वार्फ तारे, पृथ्वीतर सभ्यताओं के संदेश, पृथ्वी के परे जीवन के अन्वेषण में भारत के प्रयास आदि बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। अंत में उन्होंने दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर दिए।



संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा जी ने एनज-1आआई-स्मृति चिह्न और शाल के साथ डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी का सम्मान किया। इससे पहले माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का हिन्दी दिवस के अवसर पर दिए गए संदेश को दर्शकों के लिए पढ़कर सुनाया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा जी ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी और सभा में उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारियों, शोध छात्रों, संविदा कर्मियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने राजभाषा संबंधी इस

आयोजन के लिए हिन्दी अनुभाग को बधाई दी और उम्मीद जताई कि इस गति को बनाए रखते हुए संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को और आगे ले जाएंगे। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के वार्षिक कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के लिए हिंदी के प्रयोगों से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ सुझाव दिए – जैसे कि संस्थान में हिंदी पत्राचार को बढ़ावा दिया जाए। फाइलों पर हिंदी में टिप्पण और प्रारूपण को प्रोत्साहित किया जाए। आज के डिजिटल युग में राजभाषा कार्यान्वयन को ई-ऑफिस और डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जाए। तकनीकी एवं वैज्ञानिक संस्थान होने के नाते विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक प्रभावी बनाने चाहिए। उन्होंने पूरा विश्वास व्यक्त किया

है कि श्रेष्ठ भारत – सशक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत में हिन्दी का राजभाषा के रूप में अधिकाधिक प्रयोग कर हमारे देश को एक विकसित एवं सशक्त देश के रूप में प्रतिष्ठित कर सकते हैं। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन नियंत्रक श्री अंटोनी पीटर राजा जी ने कहा कि आज हम हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। हिन्दी पखवाड़ा केवल एक सकारात्मक मानसिकता के सीमित आयोजन नहीं है, बल्कि यह कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को व्यक्त करने का अवसर भी है। हमारे कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का प्रयोग जितना अधिक सहज और स्वाभाविक होगा, उतना ही राजभाषा

हिन्दी का उद्देश्य सार्थक होगा। हिन्दी में काम करना केवल राजभाषा नीति का पालन करना नहीं है, बल्कि यह हमारे कार्य को अधिक व्यापक और जनसुलभ बनाने का भी माध्यम है। हम अपने कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पणियों, प्रारूपों तथा दैनिक कार्यों में जहाँ संभव हो, सरल और सहज हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें। अंत में, उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया है कि हम सब मिलकर कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दें और राजभाषा के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक एवं हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र कुमार जी ने कहा कि इस पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या (158) में कर्मचारी वर्ग ने भाग लिया। उन्होंने आगे कहा कि इस पखवाड़े दौरान आयोजित आंतरिक हिन्दी व्याख्यान कार्यक्रम के अंतर्गत वैज्ञानिक-जी डॉ. विनीत कुमार गहौत जी ने सरल हिन्दी में हैदराबाद, क्या हाल चाल है शीर्षक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आजकल आपको मात्र एक सकारात्मक मानसिकता की आवश्यकता है, हिन्दी में काम करने के लिए। क्योंकि आजकल कई ऐसे डिजिटल साधन उपलब्ध है जिनकी मदद एक सकारात्मक मानसिकता के साथ ही आसानी से कार्य किया जा सकता है। आपको सिर्फ प्रयास करने और सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित



वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्कंधों के कर्मचारियों से आग्रह किया है कि वे भी अपने तकनीकी काम में हिन्दी को भी स्थान दें। अंत में उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायी कार्यक्रम है।

उन्होंने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस समारोह में पखवाड़े दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों और उनके परिवार सदस्यों को मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारम्भ वंदेमातरम गीत से हुआ। मंच पर अतिथियों का स्वागत, मुख्य अतिथि का परिचय, तथा गणमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक श्री अजीत कुमार ने प्रस्तुत किया, और राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूरे कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन संस्थान के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी श्री चि.वें. सुब्बाराव ने किया।

निस्वार्थ सेवा में ही मानवता की सच्ची शक्ति, जरूरतमंद की मुस्कान ही सबसे बड़ा संतोष : महेश अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास गुरुवार को नियमित सेवा एवं अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित सदस्यों ने मानव सेवा को जीवन का महत्वपूर्ण संकल्प बताते हुए समाज में जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर अपने इचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। सेवा वह भावना है, जिसमें व्यक्ति अपने सुख से पहले किसी दूसरे की जरूरत को समझता है और बिना किसी अपेक्षा के उसके



काम आता है।महेश अग्रवाल ने कहा कि आज के व्यस्त जीवन में

यदि हम किसी जरूरतमंद के लिए कुछ समय निकाल सकें, उसके

लिए अन्न की व्यवस्था कर सकें या उसके चेहरे पर कुछ क्षणों के लिए मुस्कान ला सकें तो इससे बड़ी मानवता की मिसाल और कोई नहीं हो सकती। सेवा के लिए हमेशा बड़ी संपत्ति या बड़े साधनों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सबसे जरूरी चीज मन में सेवा का भाव है। कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंघल, कैलाश केडिया, गुणम गुप्ता, नंदगोपाल, जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी डॉ. पी. हिमा बिंदु ने राजभाषा हिंदी में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आज राजभाषा हिंदी कार्यालयीन कार्यों से बढ़कर ज्ञान-विज्ञान और अनुसंधान की भाषा बनती जा रही है। हमारे अनुसंधान संस्थान में विभिन्न मातृभाषी के चिकित्सक और शोधार्थी हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी इनके बीच संवाद की भाषा के



रूप में काम करती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उद्धृत करते हुए संस्थान प्रभारी ने कहा कि हिंदी विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्दों से समृद्ध होगी। इसकी अभिव्यक्ति शैली और प्रभाव विभिन्न भारतीय भाषाओं में समाहित है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ कुमार ने हिंदी पखवाड़ा के विजेताओं को बधाई

प्रतियोगिताओं में भाग लिए सभी प्रतिभागियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हिंदी के प्रति यह प्रदर्शन वर्ष भर टूटना नहीं चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ. किरणमयी ने कहा कि हमें घर में मातृभाषा और कार्यालय में राजभाषा का मंत्र अपनाना चाहिए। उन्होंने संस्थान के प्रभारी डॉ. हिमाबिंदु के राजभाषा दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे संस्थान के हरेक कोने में राजभाषा हिंदी के शब्द और वाक्य आपसभी को दिख जाएंगे।

साथ ही उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ कुमार के हिंदी के व्याहारिक ज्ञान की प्रशंसा करते हुए सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना की।

विश्व शांति के लिए नमोत्थुणं जप महाकुंभ 4 को



हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (ग्रेटर हैदराबाद) के प्रतिनिधियों ने घोषणा की है कि विश्व शांति की प्रार्थना के लिए 4 अक्टूबर, 2026 को हैदराबाद में एक विशाल आध्यात्मिक सामूहिक जप आयोजन 'नमोत्थुणं जप महाकुंभ' आयोजित किया जाएगा। हैदराबाद के बशीरबाग स्थित देशोद्धारक भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अध्यक्ष स्वरूप चंद कोठारी, अध्यक्ष आन राज बाफना, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद किमटी, महासचिव पवन कोटारिया, मुख्य संयोजक अशोक थतेड व सुरेश सिसौदिया और उपाध्यक्ष नेमी चंद व धर्मेन्द्र नाहर ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रसिद्ध जैन गुरु आचार्य ज्ञानचंदजी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।विश्व शांति को बढ़ावा देने, आत्मा को शुद्ध करने, कर्मों का क्षय करने और तीर्थंकरों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से यह विशाल 'नमोत्थुणं जप महाकुंभ' 4 अक्टूबर को सिकंदराबाद के सिख विलेज स्थित इंपीरियल गार्डन्स में आयोजित होगा। प्रेस वार्ता में बताया गया कि 'नमोत्थुणं जप' (मंत्रोच्चार) सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निरंतर चलेगा। इस महाकुंभ में देशभर के विभिन्न राज्यों से 1,008 जोड़ों सहित लगभग 3,000 श्रद्धालुओं के भाग लेने की उम्मीद है। जप की ओर से अधिक से अधिक संख्या में श्रावकों से इस सामूहिक जप कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की गई।अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस और महात्मा गांधी जयंती के साथ-साथ ज्ञानचंदजी महाराज के 52वें जन्मदिन के अवसर पर शांति और अहिंसा के सार्वभौमिक संदेश को प्रसारित करने के लिए 2 अक्टूबर की सुबह एक 'तिरंगा अहिंसा कार रैली' आयोजित की जा रही है। यह रैली हैदराबाद के जल विहार से शुरू होकर टैंक बंड का चक्कर लगाते हुए वापस जल विहार पहुंचेगी।कार रैली के पश्चात, हैदराबाद के निचले टैंक बंड (लोअर टैंक बंड) स्थित भाय नगर गौशाला में दो दिवसीय 'धर्म सभा' (धार्मिक सभा) का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न राज्यों के 800 प्रतिनिधि और स्थानीय राज्य के 2,000 प्रतिनिधि भाग लेंगे। स्वरूप चंद कोठारी ने विश्व शांति के लिए "राष्ट्र प्रथम- धर्म बाद में" के ध्येय वाक्य (मोटो) के साथ आयोजित की जा रही इस दो दिवसीय सभा में समाज के सभी वर्गों के लोगों से भाग लेने और इसे सफल बनाने की अपील की।

स्वच्छ भारत अभियान में महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की सक्रिय सहभागिता एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान के तहत स्वच्छता का दिया संदेश

स्वच्छ भारत-हरित भारत का संकल्प लेकर स्वच्छता कर्मियों एवं स्कूली बच्चों को बांटी गई 50 सफेद टोपियां

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एक दिन, एक घंटा, एक साथ तथा स्वच्छ भारत-हरित भारत के संदेश के साथ 1 अक्टूबर 2026 को सुबह 8 से 9 बजे तक सिकंदराबाद स्थित सिख विलेज सर्कल में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने कैंटोनमेंट बोर्ड द्वारा आयोजित इस स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की ओर से बताया गया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आयोजित स्वच्छ भारत अभियान में संस्था को सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हुआ। संस्था ने इस महत्व-पूर्ण स्वच्छता अभियान में भाग लेने का अवसर प्रदान करने के लिए कैंटोनमेंट बोर्ड का हृदय से आभार व्यक्त किया। स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाने में योगदान और सहयोग के लिए महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के चेयरमैन वीर विनोद संचेती जी, वीर अशोक खींचा जी एवं वीर दिलीप सेठिया जी को सेनेटरी इंस्पेक्टर श्री पुष्पेंद्र गरु द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान एवं प्रोत्साहन के रूप में महावीर इंटरनेशनल की ओर से 50 सफेद टोपियां स्वच्छता कर्मियों एवं स्कूली बच्चों को वितरित की गई। इन टोपियों का वितरण वीर विनोद अंश संचेती जी द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों की अमूल्य सेवा तथा स्कूली बच्चों की सहभागिता का



सम्मान एवं उत्साहवर्धन करना था।

कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए इस महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान को समर्थन दिया। उपस्थित लोगों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से योगदान देने का संदेश दिया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे प्रयासों को अपनाएं। संस्था की ओर से विशेष रूप से संदेश दिया गया७

प्लास्टिक को ना कहें।

जल बचाएं।

पेड़ बचाएं।

पर्यावरण बचाएं।

संस्था ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक

नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। स्वच्छ वातावरण के साथ हरित और स्वस्थ भारत का निर्माण सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के चेयरमैन वीर विनोद संचेती जी हमेशा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जागरूकता से जुड़े कार्यों के प्रति उत्साह एवं प्रतिबद्धता दिखाते रहे हैं।

संस्था की ओर से भी विभिन्न सेवा एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से समाज में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जाता रहा है। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे मिलकर स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भारत बनाने में अपना योगदान दें। संस्था ने इस सेवा एवं स्वच्छता अभियान में भाग लेने का सुंदर अवसर प्रदान करने के लिए कैंटोनमेंट बोर्ड का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया।

अग्रसेन जयंती पर विशेष पूजा एवं 15 नवंबर को अन्नकूट प्रसाद का आयोजन



हैदराबाद, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा की बैठक भाग्यलक्ष्मी ढाबा, मलकपेट में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ सभी सदस्यों द्वारा महाराजा अग्रसेन भगवान की पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

शाखा अध्यक्ष पंकज संधी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। सचिव प्रदीप बंसल ने पिछली बैठक की कार्यवाही सदन के समक्ष प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि अग्रसेन जयंती के अवसर पर शाम 4 बजे ग्यारसीलालजी की दुकान पर महाराजा अग्रसेन भगवान की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। साथ ही, 15 नवंबर को उपलब्ध स्थित आत्म गौरव भवन में अन्नकूट प्रसाद का आयोजन करने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष पंकज संधी ने उपस्थित सदस्यों को अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति की विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से समाज की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

बैठक में अध्यक्ष पंकज संधी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य हरिश चंद्र बजाज, सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल एवं लाजपत राय गुप्ता सहित संजीव गोयल, सतीश बंसल, आनंद अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, जितेश सिंघानिया, गोपाल मोदी, नितिन अग्रवाल, मलकपेट महिला शाखा अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, मलकपेट युवा मोर्चा अध्यक्ष हर्ष बंसल एवं जितेंद्र गोयल उपस्थित रहे। अंत में संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल ने सभी सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

पाकिस्तानी कोस्टमैटिक प्रसाधनों का हैदराबाद में ‘अवैध कारोबार’ उजागर

प्रतिबंधित देश से माल की कथित आपूर्ति पर शिकंजा, 7 लाख रुपये के सौंदर्य प्रसाधन जब्त हबीबनगर और नामपल्ली की तीन दुकानों पर टास्कफोर्स-सीडीएससीओ की संयुक्त कार्रवाई, भारी मात्रा में पाकिस्तानी उत्पाद बरामद

गोरी, चांदनी, फैज, नाविया, गोल्डन पर्ल और सदाफ सहित कई ब्रांड जांच के घेरे में, आवश्यक आयात पंजीकरण का अभाव

गोरी और चांदनी क्रीम में निर्धारित सीमा से अधिक भारी धातु पाए जाने की सीडीएससीओ की चेतावनी से बढ़ी चिंता

मुंबई के एक डीलर से हैदराबाद तक पहुंची कथित आपूर्ति की कड़ी, संतोषनगर में भी अनधिकृत उत्पादों की बिक्री का खुलासा

हैदराबाद। 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) शहर में देश विरोधी पाकिस्तान से आने वाले कोस्टमैटिक सामान के आयात पर केंद्र सरकार के प्रतिबंध के बीच हैदराबाद में पाकिस्तान निर्मित सौंदर्य प्रसाधनों की कथित अवैध आपूर्ति का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। हबीबनगर और नामपल्ली क्षेत्र में टास्कफोर्स तथा केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की संयुक्त कार्रवाई में करीब 7 लाख रुपये मूल्य के सौंदर्य प्रसाधन जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में कई उत्पादों के लिए भारत में आवश्यक आयात पंजीकरण प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई है।

मामला केवल अवैध बिक्री तक सीमित नहीं
यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब केंद्र सरकार ने पाकिस्तान मूल या पाकिस्तान से निर्यात होने वाले सामान के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष आयात और पारामान पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। 2 मई 2025 की विदेश व्यापार महानिदेशालय की अधिसूचना में सरकार ने इस प्रतिबंध का आधार राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति बताया था। ऐसे में पाकिस्तान निर्मित उत्पादों का भारतीय बाजार में पहुंचना उनकी आपूर्ति शृंखला और भारत में प्रवेश के रास्ते को लेकर गंभीर जांच का विषय बन गया है।

हैदराबाद में तीन दुकानों पर एक साथ कार्रवाई
30 सितंबर को हैदराबाद टास्कफोर्स की राजेंद्रनगर क्षेत्र की टीम ने सीडीएससीओ अधिकारियों के साथ हबीबनगर और नामपल्ली इलाके में कार्रवाई की। जांच के दौरान ब्यूटी लेडीज एम्पोरियम, ब्यूटी कीन शॉप और एस.जे.



मेडिकल शॉप में तलाशी ली गई। यहां पाकिस्तान में निर्मित बताए जा रहे विभिन्न सौंदर्य प्रसाधन पाए गए। अधिकारियों ने करीब 7 लाख रुपये का माल जब्त किए जाने की जानकारी दी है।

गोरी से गोल्डन पर्ल तक उत्पाद जांच के घेरे में
तलाशी के दौरान गोरी, चांदनी, फैज, नाविया, गोल्डन पर्ल और सदाफ सहित कई ब्रांड के त्वचा को गोरा करने वाली क्रीम, साबुन और अन्य सौंदर्य प्रसाधन मिलने की जानकारी सामने आई है। फेस फ्रेश, स्टिलमैन्स और नूर गोल्ड जैसे उत्पादों का भी उल्लेख किया गया है। अधिकारियों की जांच अब इस बात पर केंद्रित है कि ये उत्पाद कहां निर्मित हुए, भारत तक कैसे पहुंचे और इनके पास आवश्यक दस्तावेज थे या नहीं।

सीडीएससीओ की चेतावनी ने बढ़ाई चिंता
मामले को गंभीर बनाने वाला एक और पहलू सीडीएससीओ की सार्वजनिक स्वास्थ्य चेतावनी है। 8 सितंबर 2026 को जारी चेतावनी में गोरी ब्यूटी क्रीम और चांदनी व्हाइटनिंग क्रीम को लेकर उपभोक्ताओं को सावधान किया गया था। सीडीएससीओ के अनुसार इन उत्पादों के लिए भारत में बिक्री हेतु आवश्यक आयात पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया था। नियामक की जांच में निर्धारित सीमा से अधिक भारी धातु पाए जाने की बात भी सामने आई थी।

प्रतिबंध के बावजूद हैदराबाद तक कैसे पहुंचा माल ?
अब जांच का सबसे अहम सवाल यही है कि प्रतिबंधित आयात व्यवस्था के बावजूद पाकिस्तान निर्मित सौंदर्य प्रसाधन हैदराबाद के बाजार तक कैसे पहुंचे। प्रारंभिक पूछताछ में मुंबई के एक डीलर के माध्यम से

इन उत्पादों की आपूर्ति होने की जानकारी सामने आने की बात कही गई है। जांच एजेंसियां अब माल के स्रोत से लेकर हैदराबाद तक पहुंचने के पूरे रास्ते की पड़ताल कर रही हैं।

मुंबई से हैदराबाद तक आपूर्ति की कड़ी
जांच एजेंसियों की नजर अब केवल दुकानदारों पर नहीं, बल्कि पूरे आपूर्ति तंत्र पर है। माल किसने खरीदा, किस माध्यम से भारत में पहुंचा, कहां भंडारित किया गया और किन व्यापारियों को इसकी आपूर्ति की गई इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मुंबई स्थित डीलर की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है।

संतोषनगर में भी सामने आया मामला
जांच के दौरान संतोषनगर स्थित मदिना कॉस्मेटिक में भी कथित तौर पर अनधिकृत सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री सामने आने की जानकारी मिली है। इससे जांच का दायरा और बढ़ गया है। हालांकि, इस पूरे नेटवर्क में कितने प्रतिष्ठान और कितने लोग शामिल हैं, इसका वास्तविक खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

मामले का दूसरा गंभीर पक्ष उपभोक्ताओं की सुरक्षा है। जिन उत्पादों में नियामक जांच के दौरान निर्धारित सीमा से अधिक भारी धातु पाए जाने की बात सामने आई है, उनके इस्तेमाल को लेकर स्वास्थ्य संबंधी चिंता स्वाभाविक है। ऐसे में बिना वैध आयात दस्तावेज और नियामकीय अनुमति के बाजार में पहुंचने वाले उत्पादों की बिक्री पर कार्रवाई को उपभोक्ता सुरक्षा से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

अब निशाने पर पूरा आपूर्ति नेटवर्क
करीब 7 लाख रुपये के उत्पादों की जब्त के बाद जांच की दिशा अब दुकानों से आगे बढ़कर उनके पीछे मौजूद आपूर्ति नेटवर्क की ओर है। यदि जांच में प्रतिबंधित आयात, गलत घोषणा, तस्करी या अन्य कानूनी उल्लंघन प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित लोगों और संस्थाओं के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती है। हैदराबाद में सामने आया यह मामला सिर्फ कुछ दुकानों से सौंदर्य प्रसाधन जब्त किए जाने तक सीमित नहीं है। एक ओर प्रतिबंधित आयात व्यवस्था का सवाल है, तो दूसरी ओर ऐसे उत्पादों की उपलब्धता का मुद्दा है जिनके संबंध में देश की सर्वोच्च औषधि नियामक संस्था ने स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी जारी की है। अब असली चुनौती उस नेटवर्क की तह तक पहुंचना है, जिसके माध्यम से ये उत्पाद बाजार में पहुंचे। जांच आगे बढ़ने के साथ यह भी स्पष्ट होगा कि इस कथित अवैध आपूर्ति के पीछे कौन-कौन लोग और कौन-कौन से कारोबारी चैनल सक्रिय थे।

केटीआर की संपत्तियों को लेकर रेवंत रेड्डी के गंभीर आरोप

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) और उनके परिवार की संपत्तियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। 30 सितंबर को सिरसिद्धा में आयोजित एक सार्वजनिक सभा में रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में स्थित डेक्कन सेराई, एट होम सर्विस्ड अपार्टमेंट्स तथा हाइटक सिटी के आसपास स्थित होटल संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने केटीआर से इन संपत्तियों के संबंध में स्पष्टीकरण देने की मांग की।

मुख्यमंत्री के आरोपों के अनुसार हाइटक सिटी क्षेत्र में करीब 400 कमरों वाली कई होटल संपत्तियां केटीआर, उनकी पत्नी और सास से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने करीब 190 कमरों वाली एक अन्य होटल संपत्ति का भी उल्लेख किया। रेवंत रेड्डी ने बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स में संपत्तियों तथा अमेरिका और सिंगापुर में कथित निवेश का भी जिक्र किया।

रेवंत रेड्डी ने जनवाड़ा, शंकरपल्ली, मोड़नाबाद और एरवेली स्थित फार्महाउसों को लेकर भी

सवाल उठाए और इन संपत्तियों के स्वामित्व तथा उन्हें हासिल करने के तरीके पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि इन संपत्तियों को लेकर आगे भी सवाल उठाए जाएंगे। हालांकि, होटल संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर उपलब्ध सार्वजनिक दस्तावेज अलग तस्वीर भी पेश करते हैं। अप्रैल 2026 की एक क्रेडिट रेटिंग रिपोर्ट के अनुसार एट होम होस्पिटैलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों में श्रीधर तेलुकुतला, पट्टाभि रामा राव चिलुकुरी और शैलिमा कलवकुंतला के नाम दर्ज हैं। रिपोर्ट में एट होम के सर्विस्ड अपार्टमेंट्स, होटल डेक्कन सेराई और डेक्कन सेराई ग्रांडे का उल्लेख है। इसमें डेक्कन सेराई को 3-स्टार और डेक्कन सेराई ग्रांडे को 5-स्टार होटल बताया गया है।

जनवाड़ा फार्महाउस को लेकर भी सार्वजनिक रिकॉर्ड और संबंधित पक्ष का बयान सामने आया है। सितंबर 2026 में संपत्ति के मालिक प्रदीप रेड्डी ने कहा था कि फार्महाउस उनका है और केटीआर उसका उपयोग लीज के आधार पर कर रहे थे। उन्होंने केटीआर के किसी स्वामित्व हित से इनकार किया था।

कर्ज ने मिटा दी रिश्ते की मर्यादा

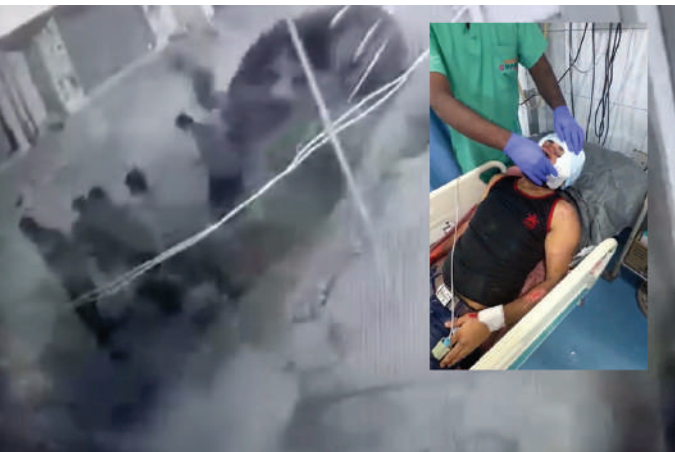
यादाद्री भुवनगिरी, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



बदल गया। पुलिस ने मामले में उनके रिश्तेदार मंटिपल्ली राजू (31) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आर्थिक परेशानी और कर्ज के दबाव के चलते आरोपी ने कथित तौर पर यदम्मा की हत्या की। 127 सितंबर को यदम्मा अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद उनके भतीजे दर्शन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में मौत संदिग्ध मानी गई। पोस्टमार्टम के दौरान यदम्मा के शरीर पर चोटों के निशान पाए गए। इसके बाद पुलिस ने हत्या के पहलू से जांच आगे बढ़ाई। घटनास्थल के साथ-साथ मृतका के संपर्क में रहने वाले लोगों और उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की गई।

जांच के दौरान मिले तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस का संदेह मंटिपल्ली राजू पर गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान राजू ने यदम्मा की हत्या करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, राजू आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उस पर कर्ज था और मासिक किस्तें चुकाने में भी परेशानी हो रही थी। पुलिस का दावा है कि इसी आर्थिक दबाव के बीच उसने यदम्मा को निशाना बनाया। पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद राजू यदम्मा के पास मौजूद सोने और चांदी के आभूषण लेकर चला गया। पुलिस अब कथित तौर पर ले जाए गए आभूषणों और वारदात से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस ने मंटिपल्ली राजू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और हत्या से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। तुलुपुनपेट की इस घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल है। आर्थिक परेशानी और कर्ज के दबाव के बीच हुई इस कथित हत्या ने लोगों को झकझोर दिया है।

बेकाबू कार ने 10 पैदल यात्रियों को रौंदा, चालक वाहन समेत फरार



हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) : ईसीआईएल के कमला नगर (कुशाईगुड़ा पुलिस स्टेशन सीमा) में देर रात एक भीषण हिट-एंड-रन हादसा सामने आया है। सड़क किनारे पैदल चल



रहे 10 लोगों के समूह को एक अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। यह दुर्घटना 29 सितंबर 2026 की मध्यरात्रि को हुई। पीड़ित बिहार के

54वें रामायण मेले के लिए विभिन्न समितियों का गठन

दशहरा सम्मेलन के तहत 11 से 20 अक्टूबर तक नुमाइश मैदान में होगा आयोजन हैदराबाद, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी प्रगति समाज एग्जिबिशन समिति द्वारा आयोजित दशहरा सम्मेलन के अंतर्गत 11 अक्टूबर 2026, रविवार से 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार तक नुमाइश मैदान में आयोजित होने वाले 54वें रामायण मेले की तैयारियों को लेकर हसमत गंज समाज में बैठक आयोजित की गई। बैठक राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री एवं प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

भव्य एवं सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का प्रारंभिक स्तर पर गठन

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल, महामंत्री एवं मेला प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 54वें रामायण मेले को भव्य एवं सफल बनाने के उद्देश्य से प्रारंभिक स्तर पर विभिन्न समितियों एवं उनके संयोजकों का गठन किया गया है। समयानुसार इन समितियों का विस्तार भी किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गिरधारी लाल डागा कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं श्रीमती कलावती जाजू, रमेश कुमार बंग, मनोज जायसवाल, नंद गोपाल भट्ट, सुमित राठी, श्रीमती शकुंतला नवंदर, रामदेव नगला, श्रीमती प्रेमलता काकणी, कोलेरू पवन कुमार, राजेंद्र कुमार सांखला, पवन मिश्रा एवं श्रीनिवास लोथा को मेला संयोजक बनाया गया है।

विभिन्न आयोजनों की जिम्मेदारियां साँपी गई
घट स्थापना के संयोजक के रूप में रमेश चंद्र



व्यास, जुगल किशोर सोनी एवं लक्ष्मीकांत पांडे को जिम्मेदारी दी गई है। मानव शक्तियों की संयोजक श्रीमती सुरेखा सारडा एवं श्रीमती अंजना अटल को बनाया गया है। कवि सम्मेलन की संयोजक श्रीमती रूबी मिश्रा एवं सविता सोनी रहेंगी।

प्रश्र मंच के संयोजक श्याम लता नावंदर तथा भजन अंताक्षरी के संयोजक श्रीमती संगीता भूतड़ा एवं श्याम लता नवानंदर को बनाया गया है। डांडिया आयोजन के संयोजक घनश्याम तोषनीवाल एवं लक्ष्मीकांत पांडे को बनाया गया है।

व्यवस्था एवं आयोजन को सुचारु बनाने के लिए दामोदर तिवारी, रूपम तुरखिया, विजय कुमार, विनोद कुमार, मणिकांत, प्रकाश, निशांत एवं सुरेश को व्यवस्थापक संयोजक बनाया गया है।

बैठक में गोविंद नारायण राठी, गिरधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, शकुंतला नवंदर, कलावती जाजू, लक्ष्मीकांत पांडे, रामदेव नगला, दामोदर तिवारी, सविता सोनी, पुरुषोत्तम कडेल, श्याम लता नवानंदर, कमला राठी, उमा देवी सोनी एवं अन्य उपस्थित थे।

श्रीमती शकुंतला नावंदर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष

जी.एम.सी. बालयोगी को श्रद्धांजलि अर्पित की



नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने बुधवार को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री जी.एम.सी. बालयोगी की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, संसद सदस्य, पूर्व सांसद तथा अन्य

गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्री जी.एम.सी. बालयोगी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। लोकसभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह तथा राज्यसभा के महासचिव श्री पी.सी. मोदी ने भी संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में श्री बालयोगी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

श्री जी.एम.सी. बालयोगी बारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे

तथा तेरहवीं लोकसभा में भी पुनः लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में संसदीय कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री बालयोगी का चित्र श्री हिम चटर्जी द्वारा बनाया गया था। यह चित्र संविधान सदन की बाहरी लॉबी में स्थापित है। तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 10 फरवरी, 2014 को इस चित्र का अनावरण किया था।

बिरधु राजमल्लना की सेवाएं अविस्मरणीय : उप्पू राजन्ना

पेदापल्ली, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वर्गीय श्री बिरधु राजमल्लना की 76वीं जयंती के अवसर पर पेदापल्ली जिला केंद्र स्थित श्री अयप्पा स्वामी मंदिर चौक (एनटीआर प्रतिमा के पास) में उनके कबीरी भाई एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उप्पू राजन्ना के तत्वावधान में जयंती समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उप्पू राजन्ना ने कहा कि राजमल्लना ने अंतिम सांस तक गरीबों और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। वे स्वर्गीय नंदामुरी तारक रामाराव के कट्टर प्रशंसक थे और उनके द्वारा स्थापित तेलुगु देशम पार्टी में शामिल होकर सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 1994 में पेदापल्ली विधानसभा क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से वे पूर्ण बहुमत से विधायक निर्वाचित हुए और लगातार जनसमस्याओं के समाधान तथा क्षेत्र के विकास के



लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार के सचेतक एवं पेदापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयारमण राव के सहयोग से

राजमल्लना की प्रतिमा स्थापित करने तथा उनके अधूरे सपनों को साकार करने के लिए परिवारजन एवं प्रशंसक मिलकर प्रयास करेंगे।

निस्वार्थ सेवा से ही सार्थक होता है जीवन : जगत नारायण अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा के दौरान जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संस्कारों की पहचान है। जब किसी जरूरतमंद के जीवन में सहायता के रूप में हमारे हाथ आगे बढ़ते हैं, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा का उद्देश्य किसी प्रकार का दिखावा करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाकर मानव की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भोजन का एक निवाला किसी भूखे व्यक्ति के लिए बहुत बड़ा सहारा बन सकता है। इसलिए

अन्नसेवा को निरंतर जारी रखना समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है।

उन्होंने कहा कि सेवा में धन से अधिक भावना का महत्व होता है। यदि मन में करुणा, समर्पण और सहयोग की भावना हो तो छोटी-सी सेवा भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकती है। राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि समाज में आपसी सहयोग, प्रेम और भाईचारे की भावना मजबूत हो तथा हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़े।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा के साथ गोसेवा भी भारतीय संस्कारों और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कार्यक्रम में पन्नालाल अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, दीप चंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, शर्मिला कुमार, लता गोयल, जगन गुप्ता एवं महेश गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग करते हुए जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की।

राजस्थानी जागृति समिति की ओर से श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

